

खबर संक्षेप

यमुनानगर। अपराध शाखा वन की टीम द्वारा पकड़ा गया आरोपी।

युवक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। अपराध अन्वेषण शाखा वन की टीम ने युवक की पीट-पीटकर हत्या के मामले में एक आरोपी को अंबाला शहर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दुखेड़ी निवासी विश्वजीत पुत्र ताराचंद के रूप में हुई है। टीम प्रभारी राजकुमार ने बताया कि उप निरीक्षक जसबीर सिंह समेत पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार 5 जून को पुरानी रंजिश के चलते नाहरपुर-ताहरपुर में खेत में 32 वर्षीय उर्जनी निवासी नवीन की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस तभी से आरोपी की तलाश कर रही थी।

मकान का ताला तोड़कर 62 हजार का सामान चोरी

यमुनानगर। व्यासपुर की राम कॉलोनी में चोरों ने सुने मकान का ताला तोड़कर करीब 62 हजार रुपये का सामान चोरी कर लिया। राम कॉलोनी निवासी सीमा शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 8 सितंबर को मकान पर ताला लगाकर किसी काम से बाहर गई थी। अगले दिन लौटने पर मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला और घर का सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर एक इनवर्टर, बेटरी, पीतल के बर्तन, चांदी की पायल, पंखा समेत अन्य सामान गायब मिला। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके की जांच की। शिकायत के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

युवक ने शादी का झांसा देकर युवती को किया अगवा

यमुनानगर। जठलाना थाना क्षेत्र में 21 वर्षीय युवती को शादी का झांसा देकर अगवा करने का मामला सामने आया है। युवती के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मनजीत के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। शिकायत में पिता ने बताया कि 10 सितंबर की रात उनकी बेटी खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई थी। सुबह उठने पर वह घर से गायब मिली। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। जांच के दौरान पता चला कि मनजीत नामक युवक उनकी बेटी को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया है।

छह साल से फरार इनामी बदमाश पकड़ा

पानीपत। पानीपत पुलिस की अपराध जांच शाखा की टीम ने छह साल पुराने चैन स्नेचिंग के केस में फरार चल रहे पांच हजार रुपए के इनामी बदमाश जय निवासी शामली, उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। वहीं, जय कुख्यात अपराधी है और उस पर हरियाणा और पंजाब सहित विभिन्न राज्यों में चोरी व स्नेचिंग के 50 केस दर्ज हैं। डीएसपी हेडक्वार्टर विकास कुमार ने बताया कि जय पर 2020 की स्नेचिंग की वारदात का वांछित आरोपी है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी और स्नेचिंग के कुल 50 मामले दर्ज मिले हैं। इनमें से सात मुकदमे पानीपत के विभिन्न थानों में दर्ज हैं।

पानीपत: लूट के दो आरोपी पकड़े

पानीपत। पुलिस ने गांव खोजकीपुर के पास सोनीपत के कस्बा गन्नीर में दुकान करने वाले प्रदीप पुत्र कृष्ण निवासी गांव तुगाना जिला बागपत नाल निवासी गांव मछरौली से बाइक और मोबाइल फोन लूटने के दो आरोपियों रिहान पुत्र मोमिन व विकास पुत्र महमूदीन निवासी गांव हथवाला पानीपत को गिरफ्तार किया है।

कुरुक्षेत्र में वाल्मीकि मंदिर में कैबिनेट मंत्री का अभिनंदन, लड्डुओं से तोला, बोले पहले रोहतक-किलोई और सिरसा से चलती थी सरकार, अब जनता की सरकार

- 37 दिन की हड़ताल के बाद सफाई व्यवस्था पटरी पर लाना सरकार का फोकस
 - गीता स्कूल के प्राइमरी विंग का शिलान्यास, भवन निर्माण के लिए 11 लाख देने की घोषणा
- हरिभूमि न्यूज ►► कुरुक्षेत्र

कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र पहुंचकर विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले सरकार रोहतक, किलोई और सिरसा से चला करती थीं, लेकिन अब ऐसा नहीं है। मौजूदा सरकार किसी एक इलाके या किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि जनता की सरकार है और लोगों के सहयोग से चल रही है। वाल्मीकि मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर समाज के लोगों ने कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी का जोरदार अभिनंदन किया। इस दौरान उन्हें लड्डुओं से भी तोला गया।



कुरुक्षेत्र। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी को लड्डुओं से तोलते समाज के लोग।

फोटो : हरिभूमि

अब पंजाब के कर्मचारी मांग रहे हरियाणा मॉडल : बेदी



कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भगवद् गीता प्राथमिक विद्यालय बालघर के प्रथम तल बिल्डिंग का शिलान्यास करते कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी।

कुरुक्षेत्र। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि आज पंजाब के कर्मचारी और नागरिक वहां की सरकार से हरियाणा मॉडल व पैटर्न लागू करने की मांग कर रहे हैं, जबकि 2014 से पहले हरियाणा के कर्मचारी पंजाब पैटर्न की मांग करते थे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेश का समान रूप से विकास कराया जा रहा है। बेदी शनिवार को श्रीमद् भगवद् गीता प्राथमिक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

इससे पहले उन्होंने विद्यालय के प्रथम तल का शिलान्यास किया और संस्थान को 11 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ संस्कार और अच्छे विचार देने का केंद्र भी है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने पेंशनधारकों के 36 लाख खातों को ऑनलाइन कर सीधे खातों में राशि पहुंचाने की व्यवस्था की। युवाओं को बिना खर्ची-पर्ची योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं। प्रदेश में जाति, क्षेत्र और परिवारवाद से ऊपर उठकर

जनहित के मुद्दों पर काम कर रही सरकार

बेदी ने कहा कि सरकार हमेशा जनता के साथ खड़ी है और जनहित के मुद्दों पर काम कर रही है। 37 दिन तक चली सफाई कर्मचारियों की हड़ताल पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार और कर्मचारियों के बीच बातचीत हुई थी। कई मांगों पर सहमति बनने के बाद कर्मचारी काम पर लौट आए हैं। अब सरकार का अगला फोकस शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर तरीके से चलाना संभव नहीं है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने श्रीमद् भगवद् गीता स्कूल के प्राइमरी विंग की बिल्डिंग का शिलान्यास भी किया। उन्होंने बिल्डिंग के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने की घोषणा की।

कड़ासन गांव के निकट दर्दनाक हादसा

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से दर्जी की मौत

हरिभूमि न्यूज ►► शहजादपुर

शहजादपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कड़ासन में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का एक और खौफनाक मामला सामने आया है। कड़ासन गांव के पास एक तेज रफ्तार बाइक ने घर लौट रहे एक दर्जी की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी जिससे उनकी मौके पर ही गंभीर चोटों के कारण मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई के बयान पर आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में सुनील कुमार ने बताया कि उनके बड़े भाई कुलदीप सिंह कोडवा खुर्द गांव में दर्जी काम करते थे। 11 सितंबर 2026 की रात करीब 9 बजकर 50 मिनट पर जब कुलदीप सिंह अपनी दुकान बंद करके मोटरसाइकिल पर सवार होकर कड़ासन लौट रहे थे तभी यह हादसा हुआ। शिकायतकर्ता भाई भी

उनके पीछे-पीछे अपनी बाइक पर आ रहा था। जब कुलदीप सिंह कड़ासन गांव के शराब ठेके के पास पहुंचे तो विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य बाइक के चालक ने अपनी गाड़ी को अत्यंत तेज गति से सीधे उनकी बाइक में टक्कर मार दी। शिकायत में बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि कुलदीप सिंह हवा में उछलकर सड़क पर जा गिरे जिससे उनके सिर, छाती और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद राहगीरों की मदद से डायल 112 पर सूचना दी गई। डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल कुलदीप सिंह को इलाज के लिए सीएचसी शहजादपुर पहुंचाया। इयूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के भाई सुनील कुमार के बयान पर आरोपी बाइक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घिलोर माजरी गांव के पास हादसा

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज ►► यमुनानगर

रादौर थाना क्षेत्र के घिलोर माजरी गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार राकेश की मौत हो गई, जबकि उसका दोस्त अजय कुमार घायल हो गया। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घिलोर माजरी निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उसका भाई राकेश 10 सितंबर की रात करीब साढ़े नौ बजे दोस्त अजय के साथ बाइक से घर



लौट रहा था। गांव के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक को टक्कर मार दी। दोनों घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दौरान राकेश ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

पिहोवा: सो रहे व्यक्ति पर पत्थर से हमला, सिर-चेहरे पर किए 5 वार

पिहोवा। सरस्वती घाट पर सो रहे व्यक्ति पर बीती रात एक बदमाश ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी ने व्यक्ति के पास पहुंचकर नीचे पड़ा पत्थर उठाया और उसके सिर व चेहरे पर वार किए। हमले में व्यक्ति के सिर और आंखों के आसपास गंभीर चोटें आईं। लहलुहान हालत में पीड़ित ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पूरी वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें आरोपी सोते हुए व्यक्ति के पास पहुंचता दिखाई दे रहा है। इसके बाद वह नीचे से पत्थर उठाकर उस पर हमला करता है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने चार-पांच बार पत्थर से वार किए। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किया गया पत्थर भी मौके से बरामद कर लिया है। पिहोवा के बलबीर सिंह (39) ने बताया कि वह मेहनत-मजदूरी करता है। रात को खाना खाने के बाद वह सरस्वती घाट पर बर्फ की फैक्ट्री के सामने बसे बाथरूम के पास रेहड़ी पर बिस्तर लगाकर सो गया था। रात करीब 1:30 बजे एक युवक उसके पास आया। युवक ने अचानक नीचे पड़ा पत्थर उठाकर उसके सिर पर मार दिया। इसके बाद वह रेहड़ी से नीचे उतर गया, आरोपी को पहचान लिया। आरोपी पिहोवा का ही रहने वाला आशु था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

आंख खुली तो सिर-चेहरे पर बरसा रहा था पत्थर, लहलुहान हालत में भागकर बचाई जान

जल्द खरीद शुरू करने के साथ पर्याप्त बारदाना उपलब्ध कराने की मांग

नमी अधिक बताकर धान सुखाने को कहा

हरिभूमि न्यूज ►► मुलाना

अनाज मंडी में धान की फसल की आवक शुरू हो गई है। अभी तक सरकारी खरीद शुरू नहीं होने के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंडी में धान लेकर पहुंच रहे किसानों की फसल को नमी अधिक होने के कारण उसे सुखाने के लिए कहा जा रहा है और सुखाई के बाद भी खरीद की व्यवस्था नहीं होने पर किसानों को अपनी फसल वापस ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इससे किसानों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है। किसानों का कहना है कि धान की फसल पककर तैयार हो चुकी है और खेतों में धान की फसल तैयार खड़ी है और आगामी दिनों में उसे भी काटा जाएगा। किसानों का कहना है कि अनाज मंडी में सुखाई के बाद उठवाई गई धान को रखने के लिए उनके पास धान को खरीद शुरू होने तक सुरक्षित रखने के लिए पर्याप्त स्थान और व्यवस्था नहीं है।



मंडी में सूखती धान की फसल दिखाते किसान जसबीर सिंह

मंडी में फसल लेकर आने के बाद उसे वापस ले जाना उनके लिए अतिरिक्त परेशानी के साथ-साथ आर्थिक बोझ भी बन रहा है। किसानों को बार-बार मजदूरी, दुलाई और अन्य खर्च वहन करना पड़ रहा है। साथ ही किसानों का कहना है कि इस समय मौसम भी परिवर्तनशील बना हुआ है। यदि बारिश हुई तो उन्हें खेतों से धान की फसल निकालने में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

फसल उगाने के बाद भी दिक्कत

हमीरपुर के प्रगतिशील किसान जसबीर सिंह ने बताया कि उनकी धान की फसल पककर तैयार है और मंडी में आवक शुरू हो गई है, लेकिन सरकारी खरीद के इंतजाम नहीं हुए हैं। किसानों के पास फसल सुरक्षित रखने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है और आदितियों से बारदाना भी नहीं मिल रहा। मंडी से धान वापस ले जाने पर किसानों को अतिरिक्त मजदूरी और दुलाई का खर्च उठाना पड़ रहा है। वहीं, खेतों में खड़ी दूसरी फसल की कटाई भी शुरू होने वाली है। ऐसे में फसल रखने की समस्या किसानों के लिए चिंता का विषय बनती हुई है।

पर्याप्त बारदाना और लेबर भी उपलब्ध नहीं

सरकारी खरीद शुरू न होने से किसानों को परेशानी हो रही है। मंडी में पर्याप्त बारदाना और लेबर भी उपलब्ध नहीं है। खरीद व्यवस्था शुरू होने तक किसानों की समस्या दूर करना मुश्किल है।

जल्द शुरू हो धान की खरीद

किसान जसबीर, सुनील, निर्मल और प्रदीप ने मंडियों में धान की सरकारी खरीद जल्द शुरू करने की मांग की है। किसानों ने कहा कि पर्याप्त बारदाना, लेबर और अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उन्हें फसल वापस घर न ले जानी पड़े। समय पर खरीद नहीं होने से भंडारण की समस्या के साथ आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। उन्होंने प्रशासन से जल्द समाधान की मांग की है।

बाइक सवार बदमाशों ने घेर लिया जख्मी

अंबाला में समन देने आए सिपाही पर हमला

हरिभूमि न्यूज ►► अंबाला

बदमाशों के हासिले बुलंद हो गए हैं। बेखौफ अपराधियों ने इस बार आम जनता को नहीं, बल्कि कानून के रखवालों को ही अपना निशाना बना डाला। गुरुग्राम से समन देने के लिए सेंट्रल जेल जा रहे एक पुलिस कांस्टेबल पर चार बदमाशों ने जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने लूटपाट की मंशा से सिपाही पर चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। उनसे मोबाइल फोन व पर्स छीनकर मौके से फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल पुलिस कर्मचारी को तुरंत अंबाला शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिपाही को कई गंभीर चोटें आई हैं। बता दें कि सिपाही प्रोडक्शन वारंट देने आया था। पीड़ित की पहचान कांस्टेबल मुकेश कुमार के रूप में हुई है, जो वर्तमान में गुरुग्राम पुलिस में तैनात



हैं। मुकेश कुमार अंबाला सेंट्रल जेल में चोरी के आरोप में बंद इमरान के सिलसिले में प्रोडक्शन वारंट रिसीव कराने के लिए आए थे। शुरूआती जांच के मुताबिक जब कांस्टेबल मुकेश दोपहर करीब अढ़ाई बजे अंबाला शहर के बलदेव नगर इलाके में आंटो से उतरे और पैदल ही अपने गंतव्य की ओर कुछ दूरी पर आगे बढ़े तभी दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर आए चार नकाबपोश बदमाशों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। इसके बाद आरोपियों पर तेजधातु हथियार से जानलेवा हमला कर दिया।

खबर संक्षेप

19 से 20 सितंबर तक होगा प्रथम उद्यान मेला
करनाल। महाराणा प्रताप हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी करनाल में 19 और 20 सितंबर को प्रथम उद्यान मेला एवं हॉर्टी एक्सपो आयोजित किया जाएगा। मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सेना 19 सितंबर को सुबह 11 बजे करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा करेंगे। एमएचयू के कुलपति प्रो. सुरेश मल्होत्रा ने बताया कि मेले में प्रदेशभर से हजारों किसान हिस्सा लेंगे। किसान समूह, महिला किसान और उद्यमी बागवानी उत्पादों के स्टॉल लगाएंगे। मेले में 100 से अधिक स्टॉल होंगे। उन्होंने बताया कि मेले में हाईटेक बागवानी, संरक्षित खेती, फूल, फल एवं सब्जियों की प्रदर्शनी के साथ उन्नत किमों के फलदार पौधों की कलमें और सब्जियों के बीज उचित दरों पर उपलब्ध होंगे। इसके अलावा प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग तकनीक और खाद्य उत्पादों की प्रदर्शनी भी मेले का आकर्षण रहेगी। किसान सीधे वैज्ञानिकों से संवाद कर बागवानी खेती से जुड़ी तकनीकी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। कुलपति प्रो. मल्होत्रा ने कहा कि किसानों को बागवानी के माध्यम से अधिक समृद्ध बनाने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय लगातार काम कर रहा है। वैज्ञानिकों के माध्यम से नई तकनीक और नवाचार किसानों तक पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सेना के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बागवानी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, जिनका लाभ किसानों को मिल रहा है।

तेजवीर हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर डीएसपी कार्यालय पहुंचे परिजन दोषियों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग

पुलिस प्रशासन के समक्ष अपनी मांगों रखने से पहले कुछ समय के लिए नारेबाजी भी की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ घरोड़ा

शहर के सर्विस रोड स्थित राइस मिल के समीप शुक्रवार सुबह हुए तेजवीर हत्याकांड को लेकर शनिवार को मृतक के परिजनों और समाज के सैकड़ों महिला-पुरुषों ने न्याय की मांग को लेकर डीएसपी कार्यालय का रुख किया। बड़ी संख्या में लोग डीएसपी मनोज कुमार के कार्यालय पहुंचे और पुलिस प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखीं। इस दौरान लोगों ने कुछ समय तक नारेबाजी भी की। बाद में समाज की ओर से एक कमेटी गठित की गई, जिसने डीएसपी से मुलाकात कर पूरे मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

समाज के लोगों और मृतक के परिजनों का आरोप है कि तेजवीर की हत्या करने वाला नेपाली युवक



शुक्रवार सुबह लोहे की रॉड से किया था हमला
बता दें कि शुक्रवार सुबह करीब छह बजे सर्विस रोड पर राइस मिल के पास तेजवीर नामक युवक पर नेपाली युवक उत्तम कुमार ने लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर दिया था। फिर पर कई वार किए जाने से तेजवीर गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत के पर ही मौत हो गई थी। वारदात के बाद आसपास के लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और उसके साथ भी मारपीट की गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी उत्तम कुमार को हिरासत में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू की। हालांकि, आरोपी को पकड़ने के बाद स्थानीय लोगों की ओर से की गई कथित मारपीट में उत्तम कुमार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे रोहतक पीजीआई में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार फिलहाल वह बयान देने की स्थिति में नहीं है।

उत्तम कुमार जिस सर्विस स्टेशन पर काम करता था, उसके मालिक जय किशन की कथित शह पर इस वारदात को अंजाम दिया गया।

आरोपी के बयान के बाद सामने आएगी तस्वीर
समाज के लोगों द्वारा की गई मांग के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जांच किसी एक व्यक्ति को शिकायत या आरोप के आधार पर नहीं, बल्कि उपलब्ध साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे बढ़ाई जाएगी। आरोपी उत्तम कुमार के बयान इस मामले में अहम माने जा रहे हैं। उसके बयान दर्ज होने के बाद यह स्पष्ट हो सकेगा वारदात की वजह।

को लेकर तेजवीर और उसके भाई ने सर्विस स्टेशन मालिक से शिकायत भी की थी, लेकिन आरोप है कि शिकायत पर नेपाली युवक

बार एसोसिएशन चुनाव में 17 वोटों से जीते बलधीर

■ अभिषेक शर्मा सचिव और नरेश राणा खजंची चुने गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ घरोड़ा



घरौंडा बार एसोसिएशन का चुनाव शुक्रवार को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष माहौल में संपन्न हुआ। प्रधान पद को लेकर हुए त्रिकोणीय मुकाबले में एडवोकेट बलधीर सिंह ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कविंद्र त्यागी को 17 वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। चुनाव परिणाम घोषित होते ही बलधीर सिंह के समर्थकों और साथी अधिवक्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से

स्वागत किया गया और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी गई। बार एसोसिएशन के प्रधान पद के लिए कविंद्र त्यागी, बलधीर सिंह और ईश्वर मान चुनाव मैदान में थे। तीन प्रत्याशियों के मैदान में होने के कारण प्रधान पद का मुकाबला शुरू से ही रोचक बना हुआ था। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में

भी खासा उत्साह देखने को मिला। चुनाव प्रक्रिया शुक्रवार सुबह नौ बजे शुरू हुई। अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए विभिन्न पदों के लिए मतदान किया। मतदान प्रक्रिया शाम साढ़े चार बजे तक चली। इसके बाद मतपट्टियों को सुरक्षित तरीके से खोला गया और मतगणना की प्रक्रिया शुरू की गई।

पंच कैलाश की पैदल यात्रा पर निकला यश

करनाल। हाथ में तिरंगा और भगवान परशुराम का प्रतीक फरसा लेकर 16 वर्षीय यश इन दिनों पंच कैलाश की पैदल यात्रा पर निकला हुआ है। दिल्ली के शाहपुरा निवासी यश 25 अगस्त को मेरठ के ऐतिहासिक ओझड़वा मंदिर से यात्रा शुरू करने के बाद करनाल पहुंचा। करनाल में तीन दिन के प्रवास के दौरान विभिन्न समाजों संगठनों और स्थानीय लोगों ने गगनभेदी नारों के बीच उसका स्वागत किया तथा आगे की यात्रा में ह्वसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। यश के अनुसार उसने 13 वर्ष की उम्र में पदयात्राएं शुरू की थीं और अब तक 12 ज्योतिर्लिंग तथा चारों धाम की यात्रा पूरी कर चुका है। पंच कैलाश में से एक कैलाश की यात्रा भी वह पहले साइकिल से पूरी कर चुका है। अब उसका लक्ष्य श्रीखंड कैलाश, गणिमहेश कैलाश और किन्नोर कैलाश की यात्रा पूरी करना है। इसके बाद राजस्थान के गोगामेड़ी होते हुए जगन्नाथ पूरी, आदि कैलाश और नेपाल के काठमांडू से होते हुए कैलाश मानसरोवर तक पहुंचने का उसका संकल्प है। यश ने बताया कि सड़कों पर बेसहारा गौवंश के कचरा खाने और कुटीरनाओं का शिकार होने की घटनाओं ने उसे प्रभावित किया। इसी के बाद उसने गौ माता को 'राष्ट्रमाता' का दर्जा दिलाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया। उसका कहना है कि गौवंश के संरक्षण और सुरक्षा के लिए समाज में जागरूकता के साथ बेहतर व्यवस्था की जरूरत है। करनाल स्थित अपने कार्यालय में यश से मुलाकात के दौरान हिंदू तख्त के हरियाणा प्रभारी एवं राष्ट्रीय संयुक्त सचिव राकेश शर्मा नरुखेड़ी ने उसके संकल्प की सराहना की। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में समाज और देश से जुड़े उद्देश्य को लेकर यात्रा पर निकलना प्रेरणादायी है।



युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर हुआ विचार-विमर्श
तरावड़ी। तरावड़ी में आयोजित श्रीमद भगवत कथा के दौरान धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े श्रद्धालुओं का कथा व्यास अनिरुद्धाचार्य महाराज से मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में श्री श्याम लखदवार परिवार मंदिर दूर के अध्यक्ष विनीत बंसल अपने परिवार सहित कथा व्यास अनिरुद्धाचार्य महाराज से मिलने पहुंचे। इस दौरान बंसल परिवार की ओर से महाराज श्री का फूल मालाओं से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। विनीत बंसल ने परिवार के सदस्यों के साथ तरावड़ी की पानव धरती पर पहुंचने पर अनिरुद्धाचार्य महाराज का आभार व्यक्त किया तथा उनका अभिन्नबद्ध किया। इस अवसर पर बंसल परिवार और महाराज श्री के बीच काफी समय तक आध्यात्मिक एवं सामाजिक विषयों को लेकर चर्चा हुई। बातचीत के दौरान सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं तथा वर्तमान समय में आध्यात्मिकता के महत्व पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया। विनीत बंसल ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं की ओर तो तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन मानसिक शांति और आध्यात्मिकता से दूर होता जा रहा है। ऐसे समय में धार्मिक आयोजनों एवं संत-महापुरुषों के मार्गदर्शन की समाज को विशेष आवश्यकता है। इस दौरान आज की युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई। विनीत बंसल ने महाराज श्री से आग्रह किया कि युवा वर्ग को नशे से दूर रहने तथा धर्म, संस्कार और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए कोई प्रेरणादायक संदेश दिया।

डिस्ट्रिक्ट टैक्सेशन बार को मिली नई टीम, शिव गुप्ता अध्यक्ष

शपथ ग्रहण समारोह में रेणु बाला गुप्ता और विधायक जगमोहन आनंद ने दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

डिस्ट्रिक्ट टैक्सेशन बार एसोसिएशन को नई कार्यकारिणी मिल गई है। विवान सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित अध्यक्ष शिव गुप्ता सहित सभी पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों ने पद एवं दायित्व की शपथ ली। समारोह में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने विशेष रूप से शामिल होकर नई टीम को बधाई दी और सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने कहा कि अधिवक्ता समाज



करनाल। डिस्ट्रिक्ट टैक्सेशन बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद महापौर रेणु बाला गुप्ता, विधायक जगमोहन आनंद व अन्य।

और न्याय व्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। टैक्सेशन जैसे महत्वपूर्ण विषय में उनकी भूमिका और भी अहम हो जाती है। उन्होंने कहा कि कातून की जानकारी देने के साथ

आम लोगों और व्यापारिक वर्ग को उनके अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक करना भी अधिवक्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने नई

कार्यकारिणी से निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ संतुष्टन के हित में कार्य करने की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्था की ताकत उसकी एकजुटता में होती है। नई कार्यकारिणी आपसी समन्वय और सकारात्मक सोच के साथ बार की गरिमा तथा अधिवक्ताओं के सम्मान को और मजबूत करे। विधायक जगमोहन आनंद ने भी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि अधिवक्ता लोकतांत्रिक व्यवस्था और न्याय प्रणाली का अभिन्न हिस्सा हैं।

खबर संक्षेप



सामाजिक चिकित्सक महासंघ की बैठक

करनाल। सामाजिक चिकित्सक महासंघ की बैठक मानव सेवा संघ के हाल में वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. श्री चंद तंवर की अध्यक्षता में हुई। इसमें सैकड़ों चिकित्सकों ने भाग लिया। डॉ. तंवर ने बताया कि 18 अगस्त को हरियाणा के सभी जिलों के 22 सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सेना और उनके ओएसडी मोपाल सिंह खड्दरी से चंडीगढ़ स्थित आवास पर मुलाकात कर गैर पंजीकृत चिकित्सकों की समस्याएं रखी थीं। महासंघ ने मांग की कि गैर पंजीकृत चिकित्सकों को आवश्यक प्रशिक्षण देकर काम करने का अधिकार दिया जाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष सेना ने कहा कि प्रदेश में एक लाख से अधिक गैर पंजीकृत चिकित्सक गांवों, कॉलोनीयों, डैरों, दागियों और रूमन बस्तियों में लोगों को प्राथमिक चिकित्सा व फर्स्ट एड उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा



थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए 52 यूनिट रक्त एकत्र

करनाल। जेसीआई करनाल एजाइल की ओर से जेसीआई वीक के तहत शनिवार को थैलीसीमिया पीड़ित बच्चों की मदद के लिए रक्तदान शिविर लगाया गया। निर्मल ह्यूमेटेट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (निम्स) ब्लड बैंक, नजदीक सरकारी अस्पताल में आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री के पूर्व ओएसडी संजय बठना मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने स्वयं रक्तदान कर लोगों को इस नेक कार्य के लिए प्रेरित किया। शिविर में कुल 52 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। एक दंपती ने भी रक्तदान किया। संस्था के अध्यक्ष हिमांशु कालरा ने कहा कि संस्था की ओर से समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। रक्तदान से जरूरतमंद लोगों की जान बचाई जा सकती है।



सही समय पर प्राथमिक उपचार बचा सकता है जान

करनाल। कुमारी विद्यावती आनंद डीएवी महिला महाविद्यालय में विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस के अवसर पर शनिवार को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन एवं प्राथमिक चिकित्सा विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम युवा रेडक्रास समिति, इंस्टीट्यूट ऑफ लेवल टास्क फोर्स समिति, रेड रिबन क्लब, योग क्लब, मनोविज्ञान विभाग और संगीत विभाग की ओर से आईव्यूएसी एवं आईआईसी के संयुक्त परंपरा तथा इंडियन रेडक्रास सोसाइटी जिला शाखा करनाल के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। जिला प्रशिक्षण अधिकारी राजपाल चौधरी ने कहा कि दुर्घटना या अचानक हृदयघात की स्थिति में सही समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार किसी की जान बचा सकता है। उन्होंने छात्रों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण लेने के लिए प्रेरित किया। डॉ. श्वेता धीमान ने डेमी के माध्यम से छात्रों को हृदयघात की स्थिति में सीपीआर और कुत्रिम सांस देने की प्रक्रिया समझाई।



रिटारयई कर्मचारी 29-30 को करेंगे 24 घंटे का पड़ाव

करनाल। रिटारयई कर्मचारी संघ की खंड करनाल इकाई की बैठक शनिवार को हुई। कार्यालय सेक्टर-12 में प्रधान लाम सिंह आर्य की अध्यक्षता में हुई। बैठक का संवाहन सचिव ताराचंद सेनी ने किया। जिला सचिव एवं ब्लॉक प्रभारी ओमप्रकाश सिंहमार, जिला प्रधान बलराज और जिला कोषाध्यक्ष सुरेंद्र रावत विशेष रूप से मौजूद रहे। ओमप्रकाश सिंहमार ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार रिटारयई कर्मचारियों की मांगों की अनेदखी कर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य कार्यकारिणी के निर्णय के अनुसार 12 सूत्री मांगों को लागू करवाने के लिए 29 और 30 सितंबर को उपयुक्त कार्यालय करनाल पर 24 घंटे का पड़ाव डाला जाएगा। इसके बाद 13 दिसंबर को दिल्ली में राष्ट्रीय कन्वेंशन आयोजित कर आगामी आंदोलन की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी विभागों, बोर्ड, निगम, कॉरपोरेशन और मान्यता प्राप्त संस्थाओं के रिटारयई कर्मचारी पेशेन वित्त विधेयक वापस होने तक आंदोलन जारी रखेंगे।



शिक्षकों को नेशन बिस्डर अवार्ड से किया सम्मानित

करनाल। रोटरी क्लब करनाल मिडटाउन की ओर से शनिवार को एक निजी बैंकॉट हॉल में शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले शिक्षकों को नेशन बिस्डर अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्ष रोटरीयन दिनेश गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम में गुरु तेग बहादुर पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल हरविंदर सिंह व पुनम शर्मा, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल करनाल की अनिता रानी व नीरू, डाइट शाहपुर के प्रिंसिपल मुनीश कुमार, यूथ एवं स्पोर्ट्स किंग के दिनेश खोखर तथा राजकीय स्कूल संगोहा की शैली को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनोद कालरा ने किया। रंजव शर्मा ने रोटरी की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी और धन्यवाद प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।



निबंध लेखन में अंशिका ने पाया प्रथम स्थान

इंद्री। शहीद उधम सिंह राजकीय महाविद्यालय मटक माजरी इंद्री में नशा जागरूकता प्रोजेक्ट के तत्वावधान में नशा जागरूकता विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए नशे के दुष्प्रभावों, युवाओं पर इसके नकारात्मक प्रभाव, नशे से बचाव तथा नशामुक्त समाज के निर्माण जैसे विषयों पर अपने विचार निबंध के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। महाविद्यालय के प्रान्यर् डॉ. महेंद्र सिंह बागी ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा समाज में नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

ख़बर संक्षेप

विकास बने बार के प्रधान

समालखा। समालखा बार एसोसिएशन में विकास भारद्वाज ने जीत दर्ज की है। कमल छोक्कर कोषाध्यक्ष, पंकज छोक्कर उपाध्यक्ष, महिला उपप्रधान पद पर ललिता शर्मा, सचिव पद पर अनुज रावल निर्वाचित हुए। प्रियंका गौड़ पहले ही सर्वसम्मित से संयुक्त सचिव पर चुनी जा चुकी है।

ओईस ने स्थापना

दिवस मनाया

पानीपत। ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी ने शनिवार को अपना 80वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर चीफ बिजनेस मैनेजर वीरेंद्र हालू सहित शाखा केअधिकर्तागण, कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान कंपनी की उपलब्धियों और बीमा क्षेत्र में उसकी सेवाओं पर चर्चा की गई।

टीचर सुट्रेड सम्मानित

पानीपत। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांव निजामपुर के कलाध्यपक सुरेंद्र राठी को पंचकूला में आयोजित राज्य शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें प्रशंसा पत्र, सिस्वर मेडल, शशीमी शाल, एक लाख रुपये, दो इंकोमेट प्रदान किए गए। सुरेंद्र राठी का स्कूल पहुंचने पर सार्थी शिक्षकों ने बधाई दी।

पेंशन का लाभ लें पात्र

पानीपत। उपायुक्त डॉ.हरीश वशिष्ठ ने बताया कि पानीपत जिला में 89604 वरिष्ठ नागरिक वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना का लाभ ले रहे हैं। सरकार की प्रोएक्टिव सेवा व्यवस्था के तहत अब पात्र बुजुर्गों को पेंशन के लिए कार्यालयों के चक्कर या अलग से आवेदन नहीं करना पड़ता। परिवार पहचान पत्र में 60 वर्ष की आयु सत्यापित होने पर सिस्टम स्वतः सक्रिय होता है। जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ने बताया कि प्रशासन पात्र नागरिकों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

वैश्य कॉलेज में टैलेंट शो

समालखा। वैश्य गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं की प्रतिभा को निखारने और उन्हें मंच प्रदान करने के उद्देश्य से दो दिवसीय टैलेंट शो प्रतियोगिता हुई। टैलेंट शो सेल की ईंचार्ज रेनु गुप्तानानी की देखरेख में संपन्न हुआ। पोस्टर मैकिंग में ज्योति पहला, रितिका दूसरे, प्राची तीसरे, अंजलि को भी सम्मानित किया गया। किंवज में दिवंकल प्रथम, अंजलि द्वितीय और रितु तृतीय रही। भाषण देने में भारती प्रथम, अनिमा और दिवंकल द्वितीय तथा सोनिया तृतीय रही। काव्य पाठ में अनिमा प्रथम, दिवंकल द्वितीय और भारती तृतीय रही। गायन में लविशा प्रथम, खुशी द्वितीय और रितिका तृतीय रही। नृत्य में कोमल व अनु प्रथम, दीपति द्वितीय तथा संजना व रिंदि तृतीय रहीं। रितिका और स्नेहा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

शिक्षण कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम किया

पानीपत। एसडी विद्या मंदिर हुडा में थ्योरी आफ नॉलेज विषय पर एक दिवसीय सीबीएसई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को सम्बंधित विषय पर नई जानकारी देना और उनके शिक्षण कौशल को बेहतर बनाना था। संसाधन व्यक्ति के रूप में विकास और मुकेश रानी ने शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों में सोचने, सवाल पूछने और किसी भी विषय को अलग-अलग तरीकों से समझने के लिए प्रेरित करने के बारे में बताया। प्रधानाचार्या डॉ.अनु गुप्ता ने दोनो वक्ताओं का धन्यवाद किया।

फसल अवशेष न जलाएं

पानीपत। उपायुक्त डॉ. हरीश वशिष्ठ ने कहा कि खेतों में फसल अवशेषों का वैज्ञानिक प्रबंधन समय की आवश्यकता है। आधुनिक कृषि यंत्र न केवल किसानों की लागत कम करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने में सहायक है, बल्कि वायु प्रदूषण रोकने और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किसानों को पराली जलाने के बजाय सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं का लाभ उठाकर टिकाऊ और आधुनिक खेती को अपनाना चाहिए।

नृत्य में खुशबू व वंश रहे प्रथम

सकारात्मक दृष्टिकोण से इंसान को मिलती है तरक्की: प्रो. गुप्ता



पानीपत। आर्य कॉलेज के प्राचार्य प्रो . डॉ जगदीश गुप्ता के साथ विजेता विद्यार्थी।

फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थियों को चुनौतियां व असफलताएं सीखने व आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं

हरिभूमि न्यूज >>> पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज में प्रतिभा खोज कार्यक्रम का प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता व उपचार्या डॉ. अनुराधा सिंह, सांस्कृतिक गतिविधियों के

डायरेक्टर डॉ. रामनिवास सिंह ने दीप जला कर शुभारंभ किया। वहीं, प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी के भीतर कोई न कोई विशेष प्रतिभा अवश्य होती है। आवश्यकता है तो केवल उसे पहचानने, निखारने और उचित मंच प्रदान करने की। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आगे बढ़ते रहना चाहिए। चुनौतियां और असफलताएं व्यक्ति को कमजोर करने के बजाय सीखने और आगे

बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। यदि विद्यार्थी आत्मविश्वास, अनुशासन और निरंतर प्रयास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें, तो सफलता निश्चित रूप से प्राप्त की जा सकती है। उपचार्या डॉ. अनुराधा सिंह ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मक क्षमता और प्रतिभा को मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं। इधर, नृत्य में खुशबू व वंश प्रथम, गौरव व मुस्कान द्वितीय, हैमंत व निधि संयुक्त रूप से तृतीय रहे। म्यूजिक

वॉकल प्रतियोगिता में करिश्मा व स्नेहा प्रथम, भावना व आदित्य द्वितीय, श्रद्धा व काजल तृतीय रहे। संगीत वादन में रिदम प्रथम, सन्नी द्वितीय रहा। किंवज में नेहा, कुलदीप, ईशिका की टीम प्रथम, नंदिनी, आदित्य जैन, दिलशाद अंसारी की टीम द्वितीय, मनीषा, वसु भित्तल, सानिया की टीम तृतीय रही। भाषण देने में दिव्या प्रथम, सागर द्वितीय, नैन्सी तृतीय, भावना विजेता रहे। इधर, कविता पाठ में शाबवा, अंजलि पुनीत विजेता रहे। पेंटिंग बनाने में सोनिया, जंतिका, अंशु, तनिशा विजेता रहे।

बाल संस्कार केंद्र की कार्यशाला में बच्चों ने योग और अनुशासन का ज्ञान लिया

■ बच्चों को सनातन संस्कार दें: डॉ. जगजीत

हरिभूमि न्यूज >>> पानीपत

सनातन संस्कृति संस्कार अभियान के तहत विश्व जागृति मिशन पानीपत मंडल द्वारा पिंकी खुरंग मेमोरियल स्कूल, एमजेआर हुडा सेक्टर-24, पानीपत में बाल संस्कार केंद्र की कार्यशाला का आयोजन हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि विश्व जागृति मिशन पानीपत मंडल के प्रधान डॉ. जगजीत आहूजा ने कहा कि बच्चों को सनातन संस्कार अवश्य दें, तभी बच्चे अच्छे नागरिक बन सकेंगे। इधर, योग शिक्षिका वीना चुग ने बच्चों को योग एवं प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ रहने के महत्व की



पानीपत। विश्व जागृति मिशन के पदाधिकारियों के साथ बच्चे। फोटो : हरिभूमि

जानकारी दी। बाल संस्कार केंद्र की संयोजिका कांता छाबड़ा व शिक्षिका भावना सलूजा ने बच्चों को स्वच्छता, अनुशासन, सुव्यवस्था और देश, समाज, मानवता के प्रति जिम्मेदारियों को लेकर जागरूक किया। वहीं, बच्चों को उपहार भी भेंट किए गए। जबकि दयानंद खुरंग

नूढ़ में ताऊ देवीलाल सम्मान दिवस रैली ऐतिहासिक होगी

पानीपत। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय सचिव डॉ. नवीन नैन भालसी ने दावा किया कि ताऊ देवीलाल की याद में इनेलो की मेवात क्षेत्र के नूढ़ में आयोजित होने जा रही सम्मान रैली ऐतिहासिक होगी। वहीं, रैली जिला पानीपत की पानीपत शहरी व ग्रामीण, समालखा और विद्यापसभा से हजारों लोग रैली में भाग लेने के लिए नूढ़ जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जनता की सेवा करने में हर मोर्चा पर बुरी तरह से विफल हो चुकी है। वहीं जनता की इनेलो से आस बढ़ रही है।

विद्यार्थियों ने प्रतिभा खोज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

गायन में प्रथम तुषार, द्वितीय सुधीर तृतीय स्थान केशव ने प्राप्त किया



पानीपत। आईबी कॉलेज में नृत्य पेश करती छात्राएं।

फोटो : हरिभूमि

अतिथियों को तुलसी का पौधा भेंट किया
हरिभूमि न्यूज >>> पानीपत

आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सांस्कृतिक समिति की संयोजिका डॉ. किरण मदान एवं समन्वयक कनक शर्मा के निर्देशन में प्रतिभा खोज कार्यक्रम हुआ। वहीं, मुख्यातिथि उद्योगपति विभु पालीवाल, कॉलेज प्रबंधन समिति के महासचिव एलएन मिगलानी, उपप्रधान आईबी

(एल.) एजुकेशनल सोसाइटी परम वीर ढोंगरा, आईबीएल पब्लिक स्कूल के प्रबंधक एवं सदस्य कॉलेज गवर्निंग बॉडी युधिष्ठिर मिगलानी, प्राचार्य डॉ. संतवीर सिंह, उप प्राचार्या डॉ. शशि प्रभा, डॉ. सुनिता शर्मा, डॉ. पूनम मदान, डॉ. निधान सिंह, द्वारा दीपप्रज्वलन व अतिथियों को तुलसी का पौधा भेंट करके किया गया। वहीं, गायन में प्रथम तुषार, द्वितीय सुधीर, तृतीय स्थान केशव ने प्राप्त किया। इधर, नृत्य में प्रथम

सुजल, द्वितीय ईशा नांदल और प्रिया यादव/पल्लवी तृतीय रहे। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में डॉ. गुरनाम सिंह, सोनिया, डॉ. पवन कुमार, डॉ. सीमा, अजयपाल सिंह, डॉ. सुनीता रानी, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. निधि, डॉ. शर्मिला यादव, डॉ. जोगेश, डॉ. प्रवीण कुमार, डॉ. चेतना नरूला, डॉ. स्वाति पुनिया, डॉ. हिमांशी, खुशबू, डॉ. नेहा पुनिया, डॉ. पुनम गुप्ता, संगीता, डॉ. नरवीर आदि उपस्थित रहे।

नगर निगम की तोड़फोड़ की कार्रवाई पर कोर्ट की रोक

पानीपत। नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में अतिक्रमण और अवैध निर्माण के नाम पर जारी किए गए तोड़फोड़ और ध्वस्तीकरण नोटिसों के खिलाफ पानीपत कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अलग-अलग मामलों की सुनवाई करते हुए पानीपत के दीवानी न्यायालयों ने नगर निगम की तोड़फोड़ की कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने पाया कि नगर निगम द्वारा बिना प्रमादित पक्षों की उपस्थिति के डिमाकेशन (निशानदेही) रिपोर्ट तैयार करना और बिना उचित सुनवाई का मौका दिए बिना नोटिस थमाना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है। वहीं, ज्यादातर मामलों में नगर निगम यह साबित करने में नाकाम रहा कि राजस्व विभाग की निशानदेही मकान या संस्था मालिकों की मौजूदगी में की गई थी। नोटिसों में अतिक्रमण का सटीक विवरण दिए बिना ही मकानों टंगा से कार्रवाई की तैयारी की गई।

न्यूज डायरी

जलभराव से नागरिक परेशान

समालखा। समालखा की मगाना रोड स्थित राजीव कॉलोनी के निवासियों ने जलभराव, गंदगी से परेशान है। वहीं, दलवीर, सतबीर, काला, मुन्ना, कुकी, वीरेंद्र, जय भगवान आदि ने बताया कि वार्ड में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। वहीं, उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी समस्या जलभराव की है। इससे कॉलोनी का जनजीवन प्रभावित होता है। इस क्षेत्र के निवासियों ने सुविधाओं की मांग की है।

गुर्जर स्वामिमान रैली का न्योता दिया

पानीपत। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश चंद्र भाटी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शोवेन्द्र भाटी, केपी कसाना, जगबीर डोरा तथा प्रदेश अध्यक्ष संजय छोक्कर ने गुर्जर भवन पहुंचकर अक्टूबर माह में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाली विशाल गुर्जर स्वामिमान रैली का न्योता दिया। पदाधिकारियों ने इससे समाज की एकजुटता और स्वामिमान का प्रतीक बताते हुए अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की। गुर्जर भवन प्रधान जोगिंदर रावल और कार्यकारिणी ने रैली में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वासन दिया।

बेसबॉल में एमएसडी द्वितीय

पानीपत। फतेहाबाद में आयोजित हरियाणा राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में एमएसडी पब्लिक स्कूल के आदित्य हुड़ा, वीर शर्मा, आर्यन, विराग शर्मा और निशांत ने पानीपत टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए टीम को द्वितीय स्थान दिलाने में अहम योगदान दिया। विद्यालय लैटन पर प्रधानाचार्या डॉ.बबिता भारद्वाज और स्टाफ ने खिलाड़ियों का स्वागत किया। इस अवसर पर खेल विभाग के अध्यक्ष बलवेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

रेलवे स्टेशन के वयोवृद्ध कुली किशनचंद को किया सम्मानित



आरोहण फाउंडेशन के पदाधिकारी वयोवृद्ध कुली किशनचंद को सम्मानित करते हुए।

मेहनत-मजदूरी करने वाले प्रत्येक श्रमिक का महत्वपूर्ण योगदान होता है। कुली जैसे मेहनतकश लोग प्रतिदिन अपनी मेहनत से समाज की व्यवस्था को सुचारू रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। किशनचंद जैसे व्यक्तित्व से जीवन में मेहनत और ईमानदारी की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने अपने जीवन में जच्चे को

सड़क पर नंगे पैर घूमने वाले बच्चों को दिलवाए जूते: चप्पल

■ इरव्हील क्लब पानीपत मिडटाउन ने जरूरतमंदों की मदद को बढ़ाया हाथ

हरिभूमि न्यूज >>> पानीपत

इनर व्हील क्लब पानीपत मिड टाउन ने खुश होने जा रही सड़कों के मौसम के मद्देनजर सड़कों पर घूमने वाले निर्धन परिवारों के बच्चों को दुकानों पर ले जाकर उनके मनपसंद जूते, चप्पल आदि दिलवाए। मन पसंद जूते-चप्पल पहन कर बच्चों के चेहरों पर आई खुशी ने इनर व्हील क्लब के सेवा कार्यों को और सार्थक बना दिया। क्लब का उद्देश्य केवल जरूरत की वस्तु उपलब्ध करवाना ही नहीं बल्कि इन बच्चों को सुरक्षा सम्मान और अपनापन महसूस कराना भी है। वहीं, क्लब की सदस्य सुदेश बंसल ने



पानीपत। इनर व्हील क्लब पानीपत मिड टाउन की पदाधिकारियों के साथ बच्चे।

इस सेवा प्रोजेक्ट का बीड़ा उठाया है। जबकि क्लब की चार्टर प्रधान कंचन सागर ने कहा कि समाज में जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना क्लब की प्राथमिकताओं में शामिल है। इधर, क्लब की अध्यक्ष ज्योत्सना

केंद्रीय मंत्रियों ने सम्मानित किया

देश में तकनीकी दक्षता में पानीपत शुगर मिल प्रथम



मिल को 13 साल पहले चीनी रिकवरी में अवार्ड मिल चुका है। वहीं, पानीपत शुगर मिल प्रबंधन को यह तकनीकी दक्षता अवार्ड नई दिल्ली के डा. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री



एमडी नवदीप नैन।

लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा यह सम्मान मिला है। वहीं, गत सीजन में पानीपत शुगर मिल ने हरियाणा प्रदेश के सभी सरकारी व प्राइवेट मिलों में सबसे ज्यादा 29 करोड़ रुपये की बिजली बेची और अगस्त माह ही चीनी व शीरे को भी प्रदेशभर में सर्वाधिक भाव में बेचने में उपलब्धि प्राप्त की है। वहीं, एमडी नवदीप नैन ने बताया कि पानीपत शुगर मिल को मिले अवार्ड में सभी इंजीनियरों व कर्मचारियों का अहम योगदान रहा है।

नीतिन गड़करी व शिवराज सिंह चौहान द्वारा दिया जाएगा।

पानीपत शुगर मिल के प्रबंध निदेशक एवं एसडीएम इसराना नवदीप सिंह नैन ने शनिवार को यहां बताया कि नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्टरीज

पानीपत शुगर मिल को 13 साल पहले चीनी रिकवरी में अवार्ड मिल चुका

हरिभूमि न्यूज >>> पानीपत

पानीपत के गांव डाहर स्थित सहकारी शुगर मिल ने तकनीकी दक्षता में देशभर में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। पानीपत शुगर मिल ने भारत के सभी सरकारी सहकारी शुगर मिलों में पेशाई सीजन वर्ष 2025-26 में तकनीकी दक्षता (टेक्निकल एफिशिएंसी) में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बता दें कि पानीपत शुगर

खबर संक्षेप

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में

मंत्री सुनैगे जन समस्याएं

अंबाला। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज अपनी विधानसभा अम्बाला छावनी क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को अपने घर के बजाए अब अंबाला छावनी के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हर वीरवार को दोपहर 12:00 बजे से सुनंगे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी क्षेत्र के निवासी इस अवधि के दौरान अपनी समस्या लेकर प्रत्येक वीरवार दोपहर 12-00 बजे से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में उनसे मिलकर अपनी समस्या रख सकते हैं। गौरतलब है कि मंत्री अनिल विज जनता को त्वरित न्याय दिलाने के लिए जाने जाते है। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न भाषाओं के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहते हैं जिससे शिकायतों पर जल्द कार्रवाई होती है।

नवप्रवेशित छात्रों के लिए हुआ अभिमुखीकरण

बराड़ा। लॉर्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बीएड सत्र 2026-28 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम के प्रथम चरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बीएड पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यालय प्रशिक्षण एवं महाविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण से परिचित करवाना रहा। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की प्राध्यापिका प्रीति एवं अन्य प्राध्यापक सदस्यों ने विद्यार्थियों को बीएड के विभिन्न विषयों, विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा प्रायोगिक कार्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण विद्यार्थी संवाद सत्र रहा। इसमें नवप्रवेशित विद्यार्थियों ने अपने पूर्व शैक्षणिक अनुभवों, रुचियों, विचारों और भविष्य के लक्ष्यों को साझा किया।

पद्मावती कॉलेज में हुई हिंदी सप्ताह गतिविधियां

शहजादपुर। महारानी पद्मावती राजकीय महिला महाविद्यालय में चल रहे हिंदी सप्ताह के तहत ‘मुहावरे, लोकोक्ति और पहेली बताओ’ प्रतियोगिता का शानदार आयोजन किया गया।विजेता छात्राओं को बधाई देते हुए प्राचार्या प्रोफेसर (डॉ.) मीनाक्षी ने कहा कि मुहावरे, लोकोक्तियां और पहेलियां हमारी भाषा की आत्मा हैं, जो कम शब्दों में गहरी बात कहने की क्षमता देती हैं। आज की प्रतियोगिता में छात्राओं का प्रदर्शन यह साफ दर्शाता है कि वे अपनी लोक-संस्कृति और व्यवहारिक हिंदी से कितनी गहराई से जुड़ी हुई हैं।

यूपीआई से सीधे क्रेडिट लाइन को मिलेगा बढ़ावा

करनाल। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के सचिव संजय लोहिया ने ग्लोबल फिन्टेक फेस्ट-2026 में देश में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई नई पहलों का शुभारंभ किया। इसमें तत्काल रुपे कार्ड और मर्चेन्ट यूपीआई क्यूआर जारी करने के लिए ओपन-सोर्स एंड्रॉइड एटीएम, युनिटद सरकार समर्थित ऋण योजनाओं के लिए ‘यूपीआई पर क्रेडिट लाइन’ तथा आधार सक्षम भुगतान प्रणाली के तहत थर्ड पार्टी क्रेडिट डिपॉजिट की सुविधा शामिल है। इस दौरान भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के सीईओ सौरभ विजय भी मौजूद रहे।

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक

आफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

हिंदी भाषा हमारी सभ्यता और संस्कृति की संवाहक : प्रोफेसर महासिंह पूनिया

■ एसए जैन कॉलेज में हुई भाषण व कविता प्रतियोगिता

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

एस.ए.जैन (पी.जी.) कॉलेज में हिंदी साहित्य परिषद द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में राज्यस्तरीय अंतर्महाविद्यालय भाषण और कविता पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रोफेसर (डॉ.) महासिंह सिंह पूनिया, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने तथा विशिष्ट अतिथि के रूप डॉ. सूर्य नारायण पांडा, प्रो-वाइस चांसलर



अंबाला । डॉ. महासिंह पूनिया को सम्मानित करते प्रतियोगिताओं के आयोजक

चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा (पंजाब) ने शिरकत की। कॉलेज प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) विनीत जैन ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और निर्णायक मंडल का स्वागत करते हुए कहा कि हिंदी भाषा हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव की प्रतीक है। प्राचार्य ने कहा कि हिंदी भाषा हमें अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य

करती हुई हमारी सभ्यता तथा संस्कृति को जीवंत बनाए हुए है तथा वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा दिन प्रतिदिन अपनी नई पहचान बना रही है। मुख्य अतिथि प्रोफेसर महासिंह पूनिया ने कहा कि हिंदी हमारी सभ्यता और संस्कृति की संवाहक है। हिंदी हमारी परंपराओं, संस्कारों, लोकजीवन को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे

वाइस प्रेसिडेंट के लिए एडवोकेट सुभाष बहगल को मिली सबसे बड़ी जीत

एडवोकेट रोहित जैन ने रचा इतिहास पांचवीं बार बने बार एसो. के प्रेसिडेंट

एडवोकेट रोहित जैन ने चुनाव में रमन शर्मा को 176 वोट से शिकस्त दी, गगन कोहली बने सचिव, वकीलों में छाई खुशी की लहर

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

जिला बार एसोसिएशन में एडवोकेट रोहित जैन की पांचवी बार ताजपोशी हो गई। इस जीत के साथ ही उन्होंने नया इतिहास रच दिया है। इस बार एडवोकेट रोहित जैन ने चुनाव में एडवोकेट रमन शर्मा को 176 वोट से शिकस्त दी। इससे पहले एडवोकेट रोहित जैन डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चार बार प्रेसिडेंट रह चुके हैं। जैन की जीत के बाद दर रात तक वकीलों ने दोल की थाप पर जमकर जश्न मनाया। उधर वाइस प्रेसिडेंट के पद पर इस बार एडवोकेट सुभाष बहगल को



अंबाला । जीत के बाद जश्न मनाते रोहित जैन के समर्थक। फोटो : हरिभूमि

एडवोकेट सुभाष बने वाइस प्रेजिडेंट

बार चुनाव में इस बार वाइस प्रेजिडेंट पद एडवोकेट सुभाष बहगल को बड़ी जीत मिली। उन्होंने 1140 वोट हासिल किए जबकि एडवोकेट गुरजोत सज्जापाल को 322 वोट मिले। एडवोकेट सचिन चौहान 880 वोट लेकर कैथियर बने। चौहान ने मोहम्मद बर्कम को हरया।संयुक्त सचिव पद पर एडवोकेट हितांशी चावला को जीत मिली। हिमांशी ने दो सांनियर वकीलों को पराजित किया। 753 वोट लेकर गगन कोहली सचिव बने दूसरे नंबर पर रहे विक्रम सैनी को 495 वोट मिले। एडवोकेट मुद्गुल राजन, एडवोकेट हर्षित बतरा व कमलजीत गुर्जर कार्यकारिणी सदस्य बन गए।

बड़ी जीत मिली। उन्होंने एडवोकेट गुरजोत सिंह जसपाल को एकतरफा मुकाबले में पराजित किया। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में इस

बार मुकाबला बेहद टक्कर का होने के बात कही जा रही थी। मगर चुनाव में पहले दिन से ही सांनियर व जूनियर वकीलों के पुरजोर समर्थन की वजह से

जनसेवा के संकल्प को चंडीगढ़ में जनभागीदारी से आगे बढ़ाएगी भाजपा टीम : जतिंदर मल्होत्रा

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय आह्वान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस तथा मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन की पूर्णता के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में आज भाजपा चंडीगढ़ कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष जतिंदर मल्होत्रा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए अभियान की विस्तृत जानकारी साझा की। इस प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश मंत्रमंत्री रामबीर भट्ठी, मीडिया प्रभारी रवि रावत, मीडिया सेल इंचार्ज ललित तक्रियार, लीगल सेल इंचार्ज रंजन लोहान आदि उपस्थित रहे। मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, सुभासन, समर्पण और जनकल्याण की अद्वितीय यात्रा के प्रतीक हैं। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई यह यात्रा आज देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर जनसेवा को समर्पित है। इसी भावना के साथ भाजपा इस बार केवल सेवा पखवाड़ा नहीं, बल्कि एक माह तक चलने वाला ‘सेवा संकल्प अभियान’ आयोजित कर रही है, जिसका मुख्य मंत्र है— ‘जान सेवा ही प्रेम सेवा’। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए राजनीति सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम है और ‘सेवा ही संगठन’ हमारा संकल्प है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास के माध्यम से देश के अंतिम व्यक्ति तक सरकार का लाभ पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया गया है। चंडीगढ़ भाजपा के लीगल सेल द्वारा नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ‘न्याय परामर्श केंद्र’ को शुरुआत की गई है। इसके अंतर्गत लीगल सेल की टीम हर शुक्रवार भाजपा कार्यालय, सेक्टर-33, चंडीगढ़ में उपलब्ध रहेंगी और नागरिकों को कानूनी समस्याओं को सुनकर उन्हें आवश्यक कानूनी परामर्श एवं मार्गदर्शन प्रदान करेंगी। इस पहल का उद्देश्य चंडीगढ़ के नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उनके अधिकारों की रक्षा के लिए मार्गदर्शन देना तथा जरूरतमंद नागरिकों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराना है।

शेष छावनी में स्ट्रॉम वॉटर पाइप डालने के कार्य का शुभारंभ करेंगे परिवहन मंत्री अनिल विज

अंबाला। ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के अग्रह प्रयासों से अंबाला छावनी सदर क्षेत्र में स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज पाइप लाइन सफलतापूर्वक डालने के पश्चात अब शेष अंबाला छावनी क्षेत्र में स्ट्रॉम वॉटर ड्रेनेज पाइप लाइन डाली जाएगी। इस कार्य का शुभारंभ रविवार 13 सितंबर को प्रातः 11:00 बजे एकता विहार चौक पर वैष्णो माता मंदिर के पास ऊर्जा मंत्री अनिल विज अपने कर-कमलों से करेंगे। 57.42 करोड़ रुपये की लागत से अंबाला छावनी में यह स्ट्रॉम वॉटर पाइप डाली जाएगी जिससे जलता को ओपन नालियों से बिजात मिलेगा एवं स्वच्छ वातावरण मिलेगा। गौरतलब है कि इससे पहले ऊर्जा मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अंबाला छावनी के सदर क्षेत्र में स्ट्रॉम वॉटर पाइप लाइन डाली जा चुकी है जिससे सदर इलाके के लगभग 144 बड़े व छोटे नालों को अंडरबाउंड किया जा चुका है।

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक

अंबाला-पंचकूला

हिंदी का लगातार बढ़ रहा वैश्विक प्रभाव : डॉ. पांडा

विशिष्ट अतिथि डॉ. सूर्य नारायण पांडा, सम-कुलपति, चितकारा विश्वविद्यालय, राजपुरा (पंजाब) ने कहा कि हिंदी का वैश्विक प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। हिंदी साहित्य, सिनेमा, संगीत और डिजिटल माध्यमों ने हिंदी को वैश्विक स्तर पर नई पहचान प्रदान की है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे हिंदी का प्रयोग केवल औपचारिक अवसरों तक सीमित न रखें, बल्कि अपने दैनिक जीवन और रचनात्मक अभिव्यक्ति में भी हिंदी को अपनाएँ। इस कार्यक्रम में हिंदी और पंजाबी विभाग द्वारा संपादित ‘भारतीय ज्ञान परंपरा’ में निहित साहित्य, समाज और वैज्ञानिकता’ पुस्तक का विमोचन किया गया। जिसके मुख्य संपादक डॉ. बलजीत सिंह और संपादक डॉ. बलवान सिंह, डॉ. अनिल तोंमर, डॉ. सुनील काजल को कॉलेज प्राचार्य, मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने बधाई दी।इस कार्यक्रम में निर्णायक मंडल की भूमिका प्राध्यापिका श्रीमती मोना, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाइन अम्बाला, प्राध्यापिका सुश्री ज्योति, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, प्रेमनगर अम्बाला, प्राध्यापक श्री लखबीर सिंह, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नगमल अम्बाला ने अदा की।

बढ़ाती है। उन्होंने बताया कि हिंदी भाषा का वैश्विक स्तर पर प्रचार करने में हिंदी सिनेमा, सोशल मीडिया और बाजार का अहम योगदान है। उन्होंने

कहा कि हिंदी भाषा अभिव्यक्ति का सर्वोत्तम माध्यम है जिसके द्वारा हम अपने भावों, विचारों को सहजता और सरलता से अभिव्यक्त करते हैं।

अनुभव-नेतृत्व का सम्मान

एडवोकेट रोहित जैन का जिला बार एसोसिएशन के साथ लंबे समय से जुड़ाव रहा है। वह इससे पहले भी चार बार बार एसोसिएशन के प्रधान रह चुके हैं। इस प्रकार पांचवीं बार प्रधान निर्वाचित होना उनके प्रति अधिवक्ता समुदाय के निरंतर विश्वास को दर्शाता है। उनके पिता एडवोकेट रमणीय सतीश जैन खुद सात बार बार एसोसिएशन के प्रेजिडेंट रह चुके हैं। सालों से जैन परिवार वकीलों के साथ एक परिवार की तरह से जुड़ा है। एडवोकेट रोहित जैन ने हमेशा बार से जुड़े मुद्दों को केवल चुनाव के समय नहीं बल्कि लगातार वकीलों के हितों के साथ जोड़कर उठाया। बार की गरिमा व वकीलों की सुविधाओं, उनके अधिकारों तथा बार–बैच के बीच बेहतर समन्वय को लेकर उनका अनुभव लंबे समय से समुदाय के सामने रहा है।

रोहित जैन के समर्थक वकीलों का कहना है कि उनके पास बार एसोसिएशन के कामकाज और वकीलों की समस्याओं की गहरी समझ है। लंबे समय तक विभिन्न जिम्मेदारियों को निभाने के कारण उन्हें बार की प्रशासनिक व्यवस्था व वकीलों की आवश्यकताओं तथा व्यापिक व्यवस्था से जुड़े व्यवहारिक पहलुओं का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

रमन कुमार शर्मा को मिले 654 वोट

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में एडवोकेट रोहित जैन को इस बार 830 वोट वोट मिले जबकि एडवोकेट रमन कुमार शर्मा को 654 वोट पर संतोष करना पड़ा। शर्मा को 176 वोट से हार का सामना करना पड़ा। जीत के बाद एडवोकेट रोहित जैन ने सभी वकील साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि वकीलों के विश्वास, समर्थन और आशीर्वाद की जीत है। उन्होंने कहा कि वह सभी वकीलों को साथ लेकर बार के हित में कार्य करेंगे।

एडवोकेट रोहित जैन को अपनी जीत सुनिश्चित नजर आ रही थी। इसी वजह से उन्होंने बिना किसी टेंशन के अपना चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। रोहित जैन की जीत को उनके लंबे

अनुभव, सक्रिय नेतृत्व और अधिवक्ताओं के बीच मजबूत विश्वास के रूप में देखा जा रहा है। परिणाम घोषित होते ही वकीलों में खुशी की लहर दौड़ गई।

मंत्री अनिल विज ने शहीदी स्मारक का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए निर्देश

■ फर्श व दीवारों पर फ्लोरिंग चिन्ह लगाने के दिए निर्देश

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

ऊर्जा एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अंबाला-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर अंबाला छावनी मे बनाए जा रहे आजादी की पहली लड़ाई के शहीदी स्मारक का जायजा लिया तथा दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले उनका यहाँ पहुँचने पर एसडीएम कनिका गोयल ने पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया। विज ने शहीदी स्मारक का निरीक्षण करते हुए टिकटिंग व्यवस्था का जायजा लिया, साथ ही सभी गैलरियों से लेकर श्रद्धांजली वाली गैलरी तक जिस क्रम में लोग जाएंगे उस क्रम का निरीक्षण किया और जरूरी



अंबाला । अधिकारियों को निर्देश देते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिस क्रम में लोग गैलरी के माध्यम से जाएंगे उसके तहत फर्श/दीवारों पर आगे बढ़ने वाले रास्तों पर फ्लोरिंग चिन्ह लगाने के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने गैलरी में जहाँ रोशनी व्यवस्था कम है। उसमें नीचे की ओर रोशनी बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि गैलरी के अनुरूप

दी गई रोशनी प्रभावित न हो सके। उन्होंने इस मौके पर सभी गैलरियों के बाहर गैलरी का नाम अंकित करने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम कनिका गोयल, निदेशक शहीदी स्मारक डा. कुलदीप सैनी, कार्यकारी अभियंता रितेश अग्रवाल, कार्यकारी अभियंता नवीन राठी आदि मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री ने सभी परियोजनाओं के निर्माण को लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

लंबित निर्माण योजनाओं का समय पर हो काम पूरा : गोयल

निर्माणाधीन 100 से 200 बेड के अस्पताल का कार्य, टीबी अस्पताल की जांची वास्तविकता

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पूर्व मंत्री असीम गोयल नचौला ने शनिवार को लोक निर्माण विश्राम गृह में जन स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सिंचाई विभाग, शिक्षा विभाग, बिजली निगम व शिक्षा विभाग, बिजली निगम के अधिकारियों के साथ एक बैठक



अंबाला । मीटिंग में मौजूद पूर्व मंत्री व प्रशासनिक अधिकारी ।

लेते हुए चल रही विकास परियोजनाओं की प्रगति जानी। इस मौके पर उपायुक्त सुमन गुप्ता, एसडीएम दर्शन कुमार व विधानसभा संयोजक रितेश गोयल मौजूद रहे। पूर्व मंत्री असीम गोयल

ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए नागरिक अस्पताल अंबाला शहर के नजदीक निर्माणाधीन 100 से 200 बेड के अस्पताल का कार्य, राजकीय महाविद्यालय, वीएलडीए कॉलेज, टीबी अस्पताल, डाक्टरों

के आवास के साथ-साथ अन्य परियोजनाओं से संबंधित कार्यों की वास्तविकता जांचते हुए उन्हें तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता रितेश अग्रवाल ने पूर्व मंत्री को अवगत करवाते हुए बताया

भाषण प्रतियोगिता में पलक ने मारी बाजी

कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुहेल, गांधी संत विश्वल कॉलेज ऑफ एजुकेशन यमुनानगर , द्वितीय स्थान अश्वनीत, गांधी मेमोरियल नेशनल कॉलेज अंबाला छावनी, तृतीय स्थान ज्योति, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबाला छावनी और सांत्वना पुरस्कार खुशबू, आर्य (पी.जी.) कॉलेज पानीपत ने प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पलक नेहरा, संत विश्वल कॉलेज ऑफ एजुकेशन यमुनानगर, द्वितीय स्थान लवकेश, सोहनलाल डी.ए.वी. कॉलेज ऑफ एजुकेशन अंबाला शहर, तृतीय स्थान प्रस्तुति, एस.ए. जैन (पी.जी.) कॉलेज अंबाला शहर ने प्राप्त किया।

छात्रों को साहित्य सृजन के प्रति किया जागरूक

हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. बलजीत सिंह ने विद्यार्थियों को हिंदी दिवस की बधाई देते हुए उनको साहित्य सृजन के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. बलवान सिंह ने कविता पाठ प्रतियोगिता और भाषण प्रतियोगिता के नियमों से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम में मंच संचालन हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर और कार्यक्रम सचिव डॉ. सुनील काजल ने किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन हिंदी-विभागाध्यक्ष डॉ. बलजीत सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर मुकेश त्रेहन, प्रोफेसर (डॉ.) सुरेश दांडा, प्रोफेसर (डॉ.) सुरेंद्र तंदर, डॉ. अनिल तोंमर, डॉ. जयदीप अत्रि, डॉ. विजय सेठ, डॉ. रविदत्तापाल, डॉ. सरोज राजी, डॉ. हेमंत कपिल, डॉ. पवन कुमार, प्रो. मनप्रीत कौर, प्रो. गौरव, प्रो. कपिल, प्रो. पवन लोहान और हिंदी साहित्य परिषद के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इमरजेंसी सिजेरियन से मां और बच्चा सुरक्षित



■ हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी का कोकून हॉस्पिटल में हुआ सफल इलाज

हरिमूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

39 वर्षीय महिला को हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी का कोकून हॉस्पिटल, चंडीगढ़ में सफल इलाज किया गया। प्रेग्नेंसी के 37वें सप्ताह में अचानक पानी जैसा तरल पदार्थ निकलने के साथ उन्हें बार-बार खुजली, लालिमा और हाइप्स जैसे रेशज हुए। जांच में इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस ऑफ प्रेग्नेंसी की पुष्टि हुई, जो प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली लिवर की बीमारी है।मरीज का एलर्जिक रिएक्शन की जांच कर एंटीहिस्टामिन और कॉर्टिकोस्टेरोइड दवाएं दीं। एलर्जी के संभावित कारण का पता लगाने के लिए आगे जांच की सलाह दी गई। हॉस्पिटल की सीनियर कंसल्टेंट-ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, डॉ. प्रियंका शर्मा ने कहा, “हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी में लगातार निगरानी और समय पर सही फैसला बेहद जरूरी होता है, खासकर जब एक साथ कई जोखिम हों।



गुरु रविदास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प, पार्श्वों को बाँटे कलश

करनाल। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की जयंती के पावन उपलक्ष्य में गैलिवार को भाजपा कार्यालय कर्ण कमल में आयोजित कार्यक्रम में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने सहभागिता की। इस दौरान सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के साथ सभी पार्श्वों को कलश यात्रा अभियान के तहत कलश वितरित किए। महापौर ने कहा कि संत गुरु रविदास महाराज ने अपनी वाणी और जीवन के माध्यम से मानवता, समानता, प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनकी शिक्षाएं समाज को एकता और सद्भाव के सूत्र में बांधने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों की सार्थकता तभी है, जब उनसे समाज में सकारात्मक सोच, सेवा भावना और भाईचारे को बढ़ावा मिले। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने कहा कि संत रविदास महाराज की वाणी ने सदियों से समाज को समानता, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया है। कार्यक्रम में पार्श्वों और कार्यकर्ताओं ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता करते हुए गुरु रविदास महाराज के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने तथा सामाजिक एकता एवं सद्भाव मजबूत करने का संकल्प लिया।

करें। पूर्व मंत्री ने राजकीय महाविद्यालय, वीएलडीए कॉलेज के साथ-साथ अन्य कार्यों की भी प्रगति जानते हुए इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। पूर्व मंत्री ने सड़कों पर जो भी पैच वर्क का कार्य किया जाना है उस कार्य को करना सुनिश्चित करें और यह भी ध्यान रखें कि सड़कों पर जैबरा क्रॉसिंग, सफेद पट्टी के साथ-साथ जो भी अन्य कार्य है उसे करवाना सुनिश्चित करें। कार्यकारी अभियंता ने बताया कि 24 स्क्वीक सड़कों में से 10 के टेंडर खुल चुके हैं। पूर्व मंत्री ने बैठक के दौरान ओल्ड दिल्ली रोड के दोनों तरफ नाले के कार्यों को किए जाने बारे भी जानकारी ली।



आवरण कथा
यामिनी गजानन रामपल्लीवार

भाषा और संस्कृति का रिश्ता कोई ऊपरी बंधन मात्र नहीं होता, वह जड़ और वृक्ष का रिश्ता होता है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी गहरे अर्थ रखती है, क्योंकि हिंदी केवल संवाद का माध्यम नहीं, हिंदुस्तान की सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रमाण है। इसकी जड़ें संस्कृत जैसी वैज्ञानिक और अनुशासित भाषा में हैं, जिसने भोजपुरी, अवधी और ब्रज जैसी सैकड़ों बोलियों को अपनी सुंदर शाखाओं की तरह जन्म दिया। यह विस्तार किसी एक भाषा की सीमा नहीं, बल्कि एक पूरे उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक चेतना का फैलाव है।

भाषा से जुड़ी देश की पहचान

14 सितंबर को जब हम हिंदी दिवस मनाते हैं, तो यह अवसर केवल एक तिथि का उत्सव नहीं होना चाहिए। यह अवसर रसकर यह सोचने का भी हो कि हमने इस भाषा को कितना जिया है और कितना केवल औपचारिकता में समेट दिया है? इतिहास गवाह है कि जब कवि इकबाल ने लिखा था, 'हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्त' हमारा।' तब उन्होंने भाषा और राष्ट्र की पहचान को एक ही सांस में बांध दिया था। उनकी यह पवित्र आज भी उतनी ही सार्थक है, क्योंकि जिस भाषा की पहचान हिंद महासागर के तट से लेकर हिमालय की चोटियों तक फैली हो, वह भाषा किसी परिचय की मोहताज नहीं।

शब्दों में सदियों की साधना

हिंदी का यह वैभव किसी एक कवि या रचनाकार की देन नहीं, बल्कि सदियों की साधना का परिणाम है। तुलसी ने इसे भक्ति की मिठास दी, सूर ने इसमें वात्सल्य का रस घोला, कबीर ने इसे सीधी और निर्भीक वाणी दी और निराला ने इसमें विद्रोह और नवीनता का स्वर भरा। इन सबने मिलकर हिंदी को वह समृद्धि दी, जो आज भी हर हिंदुस्तानी की रग-रग में बहती है। यही कारण है कि हिंदी को केवल एक भाषा कहना उसके साथ अन्याय होगा, वह तो भावनाओं की वह साझी विरासत है, जिसमें देश की विविधता खुद को सहज पाती है।



कविता
अलका 'सोनी'

जन-मन में बसती है हिंदी

किताबों के पन्नों पर पढ़े जाने से पहले, भाषणों में, कहीं सुने जाने से पहले, गुंजी थी वो मेरे कानों में। जैसे गुंजी थी अभिमान्यु के कानों में चक्रव्यूह भेदने की कला। फिर अकसर गुंजती री री रही वो, मां की आवाज में। लोरी में, और पिता की डांट में छिपे दुलार में भी। और उनके कई अनकहे भय के बीच, लैसला देने वाले संसार में भी। उसने तब भी गले लगाया था मुझे जब मैं नहीं जानती थी उसके व्याकरण का कोई नियम। क्योंकि यह उसके और मेरे बीच के

उन रिश्तों की गर्माहट है, जिन्हें परिभाषित नहीं कर सकता कोई शब्दकोश। वो मेरे आंगन में बिखरी सुबह की धूप है। सर पर बनी रहने वाली, ममता की छांव है। दादी की कलनी में हर बार आता हुआ कोई पुराना गांव है। वो और कोई नहीं मेरी हिंदी है। जिसमें बसी है कबीर की निर्भीकता, तुलसी की लोक-गंध की खुशबू प्रेमचंद के पागों का संघर्ष, महादेवी की करुणा, और निराला की विद्रोही चेतना। क्योंकि मेरी हिंदी ने बनाया है राजमहलों से अधिक जन-मन में अपना घर।

विशेष: हिंदी दिवस, 14 सितंबर

हर साल 14 सितंबर के आस-पास सरकारी दफ्तरों में हिंदी पखवाड़ा शुरू होता है, मंचों से हिंदी की महिमा गाई जाती है और अपनी भाषा पर गर्व करने की बातें होती हैं। लेकिन इन औपचारिकताओं से आगे बढ़कर हमें यह सवाल भी पूछना चाहिए कि क्या हम अपनी रोजमर्रा के जीवन में हिंदी को सचमुच सम्मान देते हैं? उससे प्यार करते हैं?

हमारे हिंदुस्तान की आत्मा है हिंदी

समावेशी भाषा है हिंदी

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि हिंदी की श्रेष्ठता का यह अर्थ कभी नहीं कि अन्य भाषाओं या बोलियों को कमतर आंका जाए। हिंदी का असली गौरव इसी में रहा है कि उसने सदा दूसरी भाषाओं और बोलियों को अपनाया, उनसे शब्द लिए और उन्हें भी फलने-फूलने का अवसर दिया। भोजपुरी, अवधी, ब्रज, मैथिली और राजस्थानी जैसी बोलियां हिंदी की प्रतिद्वंद्वी नहीं, उसकी शक्ति हैं। इसी समावेशी स्वभाव के कारण हिंदी हर हिंदुस्तानी के मन में अपना स्थान बना पाई है।

कहां हैं झिझक की जड़ें

यह विदंबना ही है कि आज कुछ लोगों को हिंदी बोलते हुए झिझक या कमतरी का एहसास होता है। यह झिझक कहां से आती है, इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। बड़े शहरों के कॉर्पोरेट



कार्यालयों में, महानगरों की पार्टियों में और यहां तक कि कुछ शिक्षित परिवारों में भी हिंदी बोलने को पिछड़ेपन से जोड़कर देखा जाने लगा है। अंग्रेजी में दक्षता आवश्यक है, इसमें कोई संदेह नहीं, क्योंकि वह आज वैश्विक संपर्क की भाषा बन चुकी है। परंतु किसी दूसरी भाषा को

सीखने और अपनी भाषा को त्यागने में बुनियादी अंतर है। जब यह अंतर धुंधला पड़ने लगता है, तभी भाषा का यह संकट जन्म लेता है। बरसों पहले मेरे एक पारिवारिक समारोह में एक किशोर अपनी दादी से अंग्रेजी में बात करने की कोशिश करने लगा, टूटे-फूटे शब्दों में, केवल इसलिए कि साथ बैठे उसके अंग्रेजी-माध्यम के मित्र उसे 'देसी' न समझें। दादी ठहरकर मुसकुराई और बोलीं, 'बेटा, जिस भाषा में मैंने तुझे कहानियां सुनाईं, उसी में बात कर, शर्म किस बात की?'

उस किशोर की दादी के एक वाक्य ने पूरा वातावरण बदल दिया। गहराई से सोचें तो स्पष्ट होता है, वह झिझक केवल उस बच्चे की नहीं थी, वह उस पूरी पीढ़ी की झिझक थी, जिसे यह सिखाया गया कि तरक्की अंग्रेजी की जुबान से होकर गुजरती है और अपनी भाषा पीछे छूट जाने वाली चीज है। यह संकट केवल

भाषाई नहीं, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। जो व्यक्ति अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच करता है, वह धीरे-धीरे अपनी जड़ों से भी दूर होता चला जाता है। हमें इस बात को समझना होगा कि भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह सोचने की एक शैली होती है, संस्कारों की आगे बढ़ाने का माध्यम होती है। जब बच्चा अपनी दादी की कहानियां, लोरियां हिंदी में नहीं सुन पाता, जब वह लोकगीतों की लय से अपरिचित रह जाता है, तो वह केवल एक भाषा नहीं खोता, अपने भीतर की एक पूरी दुनिया खो देता है।

सभी करें हिंदी का सम्मान

यह कहना उचित होगा कि भाषा का अपमान केवल उस भाषा का अपमान नहीं, वह पूरी संस्कृति का अपमान है। जिस तरह किसी वृक्ष की जड़ों को काटकर उसकी शाखाओं की हरियाली की उम्मीद नहीं की जा सकती, उसी तरह अपनी भाषा से कटकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत रखने की कल्पना भी अधूरी रह जाती है। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए और इसके लिए किसी बड़े आंदोलन की नहीं, बल्कि छोटे-छोटे व्यावहारिक प्रयासों की आवश्यकता है। घर के भीतर बच्चों से हिंदी में बात करना, कार्यस्थल पर जहां संभव हो वहां हिंदी को सहजता से अपनाना, हिंदी साहित्य को केवल पाठ्यक्रम की मजबूरी न मानकर आनंद के लिए साहित्यिक किताबें पढ़ना, ऐसे ही अनेक छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

संकल्प लेने का दिन हिंदी दिवस

आज जब हिंदी दिवस के अवसर पर सरकारी कार्यालयों में औपचारिक समारोह होंगे, भाषणों में हिंदी की महिमा गाई जाएगी, तब यह प्रश्न स्वयं से पूछना जरूरी है कि क्या हमने इस भाषा को अपने दैनिक जीवन में उताना सम्मान दिया, जितना वह हकदार है। हिंदी को बचाने की जिम्मेदारी किसी एक दिन या किसी एक विभाग की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जो इसे अपनी भाषा मानता है। हिंदी दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, संकल्प का दिन बने, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। जब तक हम अपनी भाषा बोलने में गर्व का अनुभव नहीं करेंगे, तब तक उसकी समृद्ध विरासत आगे नहीं बढ़ पाएगी। इसलिए आइए, इस हिंदी दिवस पर केवल उत्सव नहीं, आत्मनिरीक्षण भी करें और अपनी भाषा को उसका वास्तविक सम्मान लोटाएं। *

लंग्य / गोविंद भारद्वाज

सरकार जब नई आती है तो रूतबा जमाने के लिए और आमजन में भरोसा कायम करने के लिए यह आदर्श वाक्य दोहराती है कि हमारी सरकार में कोई गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं होगी। लेकिन धीरे-धीरे जाए-जाए तरीके से गड़बड़ी आरंभ हो जाती है।

गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं



लुटेरों, बदमाशों, उठाईगीरों या जमाखोरों, भ्रष्टाचारियों, रिश्ततखोरों, बलात्कारियों या मिलावटखोरों के लिए चेतावनी दी गई या आम नागरिकों के लिए। खैर यह जुमला असरदार हो न हो पर लोगों को दिलासा दिलाए रखने के लिए कहना जरूरी है। हालांकि गड़बड़ी करता कौन है, ये विषय शोध का है। *

परीक्षा

हो जाया करती थी। ऐसे में उन्हें दो दिनों तक पूरा आराम करना पड़ता था। ट्रेन ने रात के एक बजे अंबाला पहुंचना था। मुझे डर लग रहा था कि सर्दी की ठिठुरती रात में इस समय में पापा को संभाले हुए सुरक्षित घर तक कैसे पहुंचूंगी? घर से स्टेशन पर किसी को बुलाया भी नहीं जा सकता था। न मम्मी को और न छोटी बहन को। अंबाला के प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकी तो मैंने सहारा देकर पापा को डिब्बे से नीचे उतारा। फिर सहारा देकर उन्हें स्टेशन से बाहर ले आई। पापा निकले से थे।

स्टेशन के बाहर पांच-सात ऑटो-रिक्षा खड़े थे, जिनके ड्राइवर कपड़े से मुह, सिर ढंके स्टेशन से बाहर आती सवारियों से उनके गंतव्य के बारे में पूछ रहे थे। ऐसे किसी ड्राइवर से बात करने में भी मुझे डर लग रहा था। तभी न जाने कैसे मुझमें इतनी हिम्मत आ गई कि एक ड्राइवर को मैंने बड़ी आत्मविश्वास भरी रीबदार आवाज में शंकर नगर चलने के लिए कहा और पापा के साथ ऑटो-रिक्षा में बैठ गई। मुझे लगा पुलिस इम्पेक्टर की परीक्षा से पहले ही असली परीक्षा मैंने पास कर ली है। *

-हरिश कुमार 'अमित'

विशेष: गणेश चतुर्थी

परंपरा-आस्था का संगम महापर्व गणेशोत्सव



सांस्कृतिक पर्व / शिखर चंद जैन

गणेश चतुर्थी का त्योहार भारतीय जनमानस के हृदय में अत्यंत पवित्र स्थान रखता है। यद्यपि भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी (14 सितंबर) को विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की स्थापना और अनंत चतुर्दशी को उनके विसर्जन का दृश्य हर वर्ष भारत के कोने-कोने में दिखाई देता है, परंतु इस महापर्व के कई ऐसे पहलू हैं, जो बहुधा लोकस्मृति या सामान्य वार्ताओं से परे छूट जाते हैं। यह उत्सव केवल धार्मिक कर्मकांड, ढोल-नगाड़ों और सुंदर झांकियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके मूल में राजनीति, समाज, प्राचीन भूगोल, खगोल विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें जुड़ी हुई हैं। गणेश चतुर्थी भारत की उस अमर सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, जो अध्यात्म को समाज सेवा से, इतिहास को भविष्य की सोच से और धर्म को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ती है।

तिलक की दूरदर्शी सामाजिक पहल: गणेश चतुर्थी का इतिहास अत्यंत प्राचीन है और 18वीं शताब्दी में पेशवाओं के काल में इसे पुणे में राज्योत्सव के रूप में मनाया जाता था। आधुनिक भारत में इसका स्वरूप पूरी तरह से बदलने का श्रेय लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को जाता है। वर्ष 1893 में तिलक ने इसे निजी गृह-पूजा के बंद कमरों से निकालकर 'सार्वजनिक गणेशोत्सव' का रूप दिया। ब्रिटिश हुकूमत के दौर में 'वर्नाकुलर प्रेस एक्ट' और अन्य कठोर कानूनों के कारण भारतीयों के लिए राजनीतिक सभाएं करना या सामाजिक मुद्दों पर एकत्र होना पूरी तरह प्रतिबंधित था। तिलक ने भांप लिया कि अंग्रेज शासक धार्मिक सम्मेलनों में सीधे हस्तक्षेप करने से डरते हैं। अतः उन्होंने गणेशोत्सव को एक सांस्कृतिक और सामाजिक मंच बनाया। पंडालों में स्वतंत्रता संग्राम के विचारों, स्वदेशी आंदोलनों और समाज सुधारों पर चर्चा होने लगी। इस प्रकार, एक धार्मिक उत्सव औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ जनक्रांति का प्रतीक बन गया।

जल निकायों का वैज्ञानिक कायाकल्प:

गणेश चतुर्थी से आरंभ होने वाला गणेशोत्सव केवल धार्मिक पर्व नहीं है। इसकी जड़ें भारत की परंपरा, इतिहास और संस्कृति से भी जुड़ी हैं। इस पर्व का आरंभ सामाजिक समारोहों के रूप में कब और कैसे हुआ, आप जरूर जानना चाहेंगे।

आधुनिक समय में विसर्जन के कारण होने वाले जल प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की जाती है, लेकिन पुराने दौर में गणेश प्रतिमा का निर्माण और उसका जल-विसर्जन एक अत्यंत वैज्ञानिक और पर्यावरणीय प्रक्रिया थी। पारंपरिक रूप से, गणेश प्रतिमाएं केवल शुद्ध चिकनी मिट्टी (शाड़ू माटी) से बनाई जाती थीं। इसमें हल्दी, चंदन, भस्म और कुमकुम का लेप किया जाता था। मानसून के अंत में जब नदियां और तालाब नए पानी से भर जाते थे, तब इन मिट्टी की मूर्तियों को जल में विसर्जित किया जाता था। मिट्टी, जल निकायों के समृद्ध करती थी, जबकि हल्दी और चंदन प्राकृतिक एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुरोधक के रूप में पानी को शुद्ध करते थे। यह प्राचीन परंपरा वास्तव में वर्षा ऋतु के बाद जल स्रोतों के वैज्ञानिक कायाकल्प का माध्यम थी।

मोदक का औषधीय महत्व: गणेश जी को 'मोदक प्रिय' कहा जाता है, लेकिन मोदक केवल एक स्वादिष्ट मिठाई नहीं है। इसका निर्माण आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित है। पारंपरिक रूप से भाद्रपद (सितंबर) के महीने में उकड़ीचे मोदक (भाप में पके हुए मोदक) बनाए जाते हैं। मानसून के खत्म होने और शरद ऋतु के आगमन के समय शरीर में 'पित्त' दोष बढ़ने की संभावना होती है। मोदक के बाहरी आवरण में चावल का आटा और अंदर गुड़, ताजा कसा हुआ नारियल, जायफल और इलायची का मिश्रण होता है, जिसे शुद्ध देशी घी के साथ परोसा जाता है। नारियल और गुड़ पेट की अग्नि को शांत करते हैं और पाचन तंत्र को दुरुस्त रखते हैं। इस तरह मोदक का भोग ऋतु परिवर्तन के दौरान स्वास्थ्य की रक्षा करने वाला एक आयुर्वेदिक आहार है।

समृद्ध करे सांस्कृतिक परिदृश्य: भारत के कला और सांस्कृतिक परिदृश्य को समृद्ध करने में गणेशोत्सव ने एक 'अदृश्य अकादमी' के रूप में भूमिका निभाई है। 10 दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में सार्वजनिक पंडालों द्वारा संगीत संध्याएं, नाटक (नाट्य संगीत), लोककलाएं (जैसे लावणी, गोंधल) और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस तरह इसका सांस्कृतिक महत्व भी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान गूण

संगीतमय जीवन

विख्यात खयाल गायिका गंगूबाई हंगल की आत्मकथा कई वर्ष पहले कन्नड़ भाषा में प्रकाशित हुई थी। हाल में ही उसका हिंदी अनुवाद 'जीवन संगीत' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। यह आत्मकथा सामाजिक उपेक्षाओं, पारिवारिक समस्याओं और आर्थिक संकटों के बीच रहकर संगीत को समर्पित एक कलाकार की साधना यात्रा है। गंगूबाई हंगल ने कई स्थलों पर स्वीकार किया है कि उनकी मां के त्याग और उनके गुरुओं के सही मार्गदर्शन ने ही उन्हें इतनी प्रतिष्ठा दिलाई। यही नहीं वे पूरी विनम्रता से हर उस शख्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती दिखाई देती हैं, जिन्होंने किसी भी रूप में उनकी संगीत साधना में जरा भी सहयोग प्रदान किया था। हालांकि कुछ स्थलों पर उनके मन में समाई टीस प्रकट हुई है। जातिगत भेदभाव पर अपने अतीत की याद करते हुए वह कहती हैं, 'अगर हम लोग किसी ऊंची जाति के घर खाना खाने जाते थे तो हमें खुद अपने बर्तन मांजने पड़ते थे।' किशोरावस्था में ही विवाह कर दिए जाने और उसके कुछ समय बाद ही मां-पिता के निधन होने के बावजूद गंगूबाई ने कभी अपनी संगीत साधना में व्यवधान नहीं आने दिया। इसी का परिणाम रहा कि वे हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उपलब्धियों के सोपानों पर अग्रसर रही और अद्वितीय प्रतिष्ठा प्राप्त की। इस आत्मकथा में कहीं भी आत्मश्लाघा का भाव नजर नहीं आता है। वे अपने सभी प्रशंसक संगीत प्रेमियों, विभिन्न सम्मानों से नवाजने के लिए सरकार के प्रति कृतज्ञता भी ज्ञापित करती हैं। *

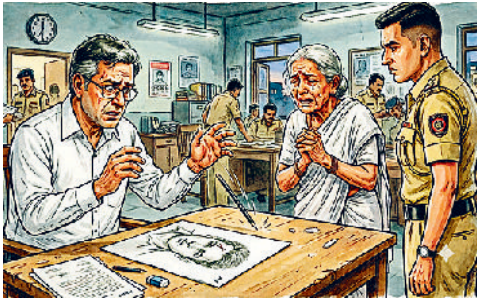
पुस्तक: जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), अनुवाद: मृत्युंजय, मूल्य: 199 रुपये, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पुस्तक: जीवन संगीत- गंगूबाई हंगल (आत्मकथा), अनुवाद: मृत्युंजय, मूल्य: 199 रुपये, प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

लघुकथाएं

अविनाश पुलिस महकमे का वरिष्ठ स्केच आर्टिस्ट था। उसके हाथों से बने खाके कभी गलत नहीं होते थे। एक शाम, एक सहमी हुई बुजुर्ग महिला उसके घर में हुई डकेती के गवाह के तौर पर एक शख्स का हुलिया बताने पहुंची। अविनाश ने कागज पर पेंसिल टिकाई। जैसे-जैसे महिला उस शख्स के माथे के कटे निशान, तीखी नाक और गहरी आंखों का ब्योरा देने लगी, अविनाश की अंगुलियां कांपने लगीं। कैनवास पर उसके अपने इकलौते बेटे का चेहरा उभर रहा था। अविनाश के भीतर भयंकर द्वंद छिड़ गया, एक कलाकार की निष्ठा और बाप के मोह के बीच। क्या वह लकीरों को बदलकर अपने बेटे को बचा ले? उसने भारी मन से, बिना कोई हेर-फेर किए बिल्कुल हूबहू वैसा चेहरा उकेरा, जैसा महिला ने बताया था और ड्राइंग शीट पुलिस अप्रसर की ओर बढ़ा दिया। तभी महिला स्केच देखकर रोते हुए बोली, 'हां साहब! यही वो जीजाब लड़का है, जिसने डकेती से भिड़कर मेरी जान बचाई। अस्पताल में बेहोश पड़ा है, इसके घर खबर करवा दो।' अविनाश की कांपती अंगुलियों से पेंसिल छूटकर गिर गई। *

-देवेंद्रराज सुथार



इनोवेशंस

शिखर चंद्र जैन

आज हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां इंजीनियरिंग केवल पुलों, इमारतों या पारंपरिक मशीनों के निर्माण तक सीमित नहीं है।

अब इंजीनियरिंग एआई, क्वांटम फिजिक्स, बायो टेक्नोलॉजी और जीरो कार्बन एमिशन टेक्नीक पर काम कर रही है। आज इंजीनियरिंग पर हो रहे काम दर्शाते हैं कि आज का इंजीनियर केवल एक निर्माता नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता का रक्षक भी है। सर एम. विश्वेश्वरैया ने जिस दूरदर्शिता की नींव रखी थी, आज की पीढ़ी के इंजीनियर्स उसे अंतरिक्ष से लेकर नैनो-टेक्नोलॉजी तक फैला रहे हैं।

स्ट्रक्चरल बैटरी कंपोजिट्स: पारंपरिक इलेक्ट्रिक वाहनों में बैटरी का वजन सबसे बड़ी समस्या रहा है। वर्ष 2025-2026 में कमलिथियम स्तर पर उभरी ‘स्ट्रक्चरल बैटरी’ तकनीक ने इस समस्या का समाधान ढूंढ निकाला। इस इंजीनियरिंग नमूने में, वाहन की बॉडी (जैसे कार की छत या दरवाजे) को ही बैटरी बना दिया जाता है। इसके लिए कार्बन फाइबर को इलेक्ट्रोड के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जो संरचनात्मक मजबूती भी



स्ट्रक्चरल बैटरी कंपोजिट्स

देता है और ऊर्जा भी स्टोर करता है। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों का वजन 40 प्रतिशत तक कम हो गया है और उनकी रेंज दोगुनी हो गई है। यह तकनीक विमानन और स्मार्टफोन इंजीनियरिंग में भी गेम-चेंजर साबित हो रही है।

हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन: भारतीय रेलवे ने पर्यावरण के अनुकूल परिवहन में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया है।

इंजीनियरों ने पूरी तरह से स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन का सफल संचालन शुरू कर दिया है। यह ट्रेन वायुमंडल से ऑक्सीजन और

अपने टैंक से हाइड्रोजन लेकर बिजली पैदा करती है। इस प्रक्रिया में उप-उत्पाद के रूप में केवल पानी और भाप निकलती है। यह पूरी तरह से शून्य-कार्बन उत्सर्जन पर आधारित है।

उपयोगी वृक्ष

वीना गौतम

रामफल का वैज्ञानिक नाम ‘एनोना रेटीकुलटा’ है। इसका अंग्रेजी नाम ‘बुलक्स हार्ट’ और ‘कस्टर्ड एप्पल’ है। यह एनोनासी परिवार का पर्णपाती छोटा फलदार वृक्ष है। रामफल की खेती भले अभी बड़े पैमाने पर न होती हो, लेकिन पिछले एक दशक में जिस तरह इसकी मांग बढ़ी है, उसे देखते हुए यह किसानों की आर्थिक आय बढ़ाने के लिए एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

सीताफल से अलग रामफल: रामफल और सीताफल दोनों अलग-अलग फल होते हैं। हां, ये एक ही परिवार के होते हैं। रामफल आकार में बड़ा लाल या भूरे रंग का तथा अधिक मुलायम गूदे वाला होता है।

कहां पाया जाता है: भारत में रामफल के पेड़ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, बंगाल, उत्तर प्रदेश के कुछ भागों, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, राजल और बिहार में पाए जाते हैं।

सहत के लिए लाभदायक: रामफल में विटामिन सी, विटामिन ए, पोटेशियम, मैग्नीशियम और भरपूर मात्रा में डाइटरी फाइबर होता है। यह अत्यंत पाचक, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक, त्वचा के लिए लाभदायक तथा दिल को स्वस्थ रखने में अत्यंत मददगार होता है।



बदलाव

लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब किताब पढ़ना एकांत का आनंद माना जाता था। पाठक किताब खोलता था, दुनिया से कुछ घंटों के लिए कट जाता था और लेखक की बनाई गई काल्पनिक दुनिया में डूबता-उतरता रहता था। लेकिन आज ऐसे गिने-चुने पाठक ही बचे हैं। आज ज्यादातर पाठक मोबाइल स्क्रीन पर कभी ई-बुक पढ़ते हैं, कभी किसी कहानी का ऑडियो सुनते हैं, कभी किसी कविता की कुछ पंक्तियां सोशल मीडिया पर पढ़कर आगे बढ़ जाते हैं। ऐसे में सवाल यह है, क्या पाठकों की संख्या कम हो रही है?

बढ़ी है पाठकों की संख्या: इंटरनेट एंड मोबाइल एप्लिकेशन ऑफ इंडिया और वैश्विक मार्केट रिसर्च कंपनी कांटर की 2024 की एक ‘इंटरनेट इन इंडिया रिपोर्ट’ के मुताबिक भारत में 58 फीसदी इंटरनेट के उपयोगकर्ता किसी न किसी रूप में भारतीय भाषाओं की सामग्री का इस्तेमाल कर रहे थे। जबकि शहरी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में 57

देश-दुनिया की तस्वीर बदलने वाले

इंजीनियरिंग के कमाल

हमारे देश में हर साल 15 सितंबर को महान इंजीनियर भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती को ‘इंजीनियर्स डे’ के रूप में मनाया जाता है। यह दिन मानव जीवन को सुगम बनाने वाले इंजीनियरों के इनोवेशन और परिश्रम को समर्पित है। इस मौके पर हाल के वर्षों में विकसित हुए और चलन में आने वाले कुछ ऐसे इंजीनियरिंग इनोवेशंस पर नजर, जो मानव जीवन और देश-दुनिया की तस्वीर पूरी तरह बदल रहे हैं।



स्केलेबल क्वांटम कंप्यूटिंग आर्किटेक्चर: कंप्यूटर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सुपर कंप्यूटर की सीमाएं समाप्त हो रही हैं। 2026 तक सिलिकॉन आधारित क्वांटम चिपस ने प्रयोगशालाओं से निकलकर डेटा केंद्रों में जगह बनाना शुरू कर दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर के ‘बिट्स’ (0 और 1) के बजाय यह ‘क्यूबिट्स’ पर काम करता है जो सुपरपोजिशन के कारण एक साथ 0 और 1 दोनों हो सकते हैं। इन्हें स्थिर रखने के लिए क्रायोजेनिक कूलिंग इंजीनियरिंग का उपयोग किया जाता है। जो जटिल गणनाएं सामान्य सुपरकंप्यूटर को करने में 10,000 साल लगते, उन्हें यह क्वांटम आर्किटेक्चर कुछ ही सेकेंड में हल कर देता है।

बायोहाइब्रिड रोबोटिक्स: यह मैकेनिकल इंजीनियरिंग और बायोलॉजी का एक अभूतपूर्व मेल है। 2025 के अंत में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने ऐसे रोबोट विकसित किए हैं, जो केवल धातु या प्लास्टिक से नहीं, बल्कि जीवित कोशिकाओं

से चलते हैं। 3डी-प्रिंटेड सिंथेटिक कंकाल पर प्रयोगशाला में विकसित की गई चूहे या संवर्धित मानव की मांसपेशियों की कोशिकाएं लगाई जाती हैं। इन्हें विद्युत या प्रकाश संकेतों के माध्यम से सिकोड़ा और फैलाया जाता है।

ये रोबोट बेहद लचीले होते हैं। चिकित्सा क्षेत्र में ये नैनो-रोबोट क्रांतिकारी हैं।

महासागर थर्मल ऊर्जा रूपांतरण: नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में सौर और पवन ऊर्जा के बाद यह सबसे बड़ा इंजीनियरिंग नमूना बनकर उभरा है। यह तकनीक समुद्र की सतह के गर्म पानी (लगभग 25 डिग्री. सेंटीग्रेड) और गहराई के ठंडे पानी (लगभग 5



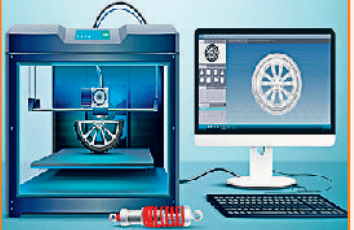
महासागर थर्मल ऊर्जा रूपांतरण

डिग्री. सेंटीग्रेड) के बीच के तापमान के अंतर का उपयोग करके टरबाइन चलाती है और बिजली पैदा करती है। सौर ऊर्जा के विपरीत, यह रात में भी 24 घंटे लगातार बिजली दे सकती है। साथ ही, इस प्रक्रिया से शुद्ध पीने योग्य पानी भी प्राप्त होता है।

डिजिटल ट्विंस आर्किटेक्चर: इसके तहत मेगास्ट्रक्चर (जैसे गगनचुंबी इमारतें और स्मार्ट सिटी) का निर्माण सीधे जमीन पर नहीं, बल्कि पहले वर्चुअल स्पेस में होता है। ‘डिजिटल ट्विन’ तकनीक के माध्यम से पूरी

इमारत का एक सटीक डिजिटल रूप तैयार किया जाता है। इसके बाद जेनरेटिव एआई उस पर भूकंप, चक्रवात और अत्यधिक गर्मी के हजारों सिमुलेशन रन करता है। इससे निर्माण शुरू होने से पहले ही डिजाइन की कमियों को दूर कर लिया जाता है।

4डी प्रिंटिंग तकनीक: 3डी प्रिंटिंग से आगे बढ़ते हुए, इस वर्ष 4डी प्रिंटिंग ने विनिर्माण क्षेत्र में तहलका मचा दिया है। इसके तहत ऐसी ‘स्मार्ट’ सामग्रियों को प्रिंट किया जाता है, जो पर्यावरण (जैसे तापमान, नमी या प्रकाश) के बदलने पर अपना आकार बदल लेती हैं।



4डी प्रिंटिंग तकनीक

उदाहरण के लिए, पानी के पाइप जो खुद ही सिकुड़ या फैल सकते हैं।

स्पेस डिब्री कैप्चर सिस्टम: अंतरिक्ष में तेरता कचरा (पुराने उपग्रहों के टुकड़े) मानव जाति के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं। एयरोस्पेस इंजीनियरों ने 2025-2026 में सक्रिय मलबे को हटाने के सफल रोबोटिक मिशन को अंजाम देना शुरू कर दिया है। इन प्रणालियों में चुंबकीय जाल, रोबोटिक आर्म्स और लेजर-असिस्टेड गाइडेड सिस्टम का उपयोग किया जाता है, जो अंतरिक्ष में तेरते मलबे को पकड़कर पृथ्वी के वायुमंडल में लाकर सुरक्षित रूप से जला देते हैं।

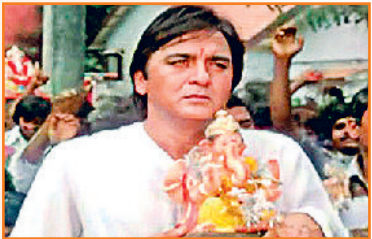
सेल्फ हीलिंग कंक्रीट: सिविल और केमिकल इंजीनियर्स ने मिलकर ऐसे ‘जीवित’ कंक्रीट का बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया है, जो सड़क की दरारें खुद भर लेता है। कंक्रीट के मिश्रण में विशेष बैक्टीरिया और पोषक तत्वों के कैप्सूल मिलाए जाते हैं। जब कंक्रीट में दरार आती है और पानी अंदर जाता है, तो ये बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं और चूना पत्थर का उत्पादन करके दरार को सील कर देते हैं। इस तरह ये इनोवेशंस क्रांतिकारी कहे जा सकते हैं। *

सिने ट्रेंड

हेमंत पाल

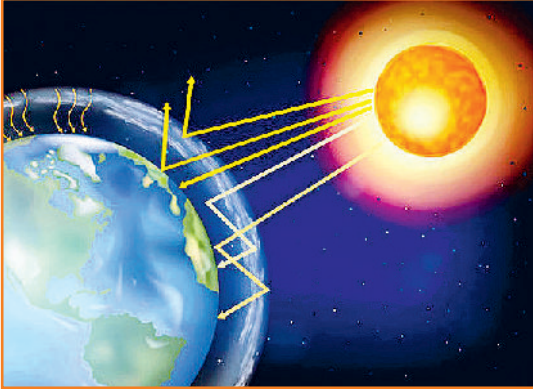
फिल्मों में भक्ति आधारित कहानियों का नाता उतना ही पुराना है, जितना भारतीय फिल्म उद्योग का इतिहास। जब मूक सिनेमा का दौर समाप्त हुआ और सवाक फिल्मों का आगमन हुआ, तब पौराणिक कथाओं और देवताओं की स्तुति को फिल्मी कहानियों का केंद्र बनाया गया। फिल्मों के कथानक में समय-समय पर अनेक देवी-देवताओं की पौराणिक कथाओं को फिल्माया जाता रहा है। ब्लैक एंड व्हाइट दौर से लेकर आज के आधुनिक मल्टीप्लेक्स सिनेमा तक, जिन देवताओं की सबसे अधिक वंदना और भक्ति पदों पर दिखाई दी, उनमें विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश भी शामिल हैं।

विघ्न नाश के दृश्यों में श्री गणेश: भारतीय संस्कृति में गणेश जी प्रथम पूज्य माने जाते हैं। फिल्मों में भी इस आस्था से जुड़ी परंपरा का पालन किया। किसी भी बड़े मिशन, पारिवारिक कहानी, एक्शन ड्रामा या थ्रिलर में संकट के निवारण या नई शुरुआत के लिए फिल्मों में अकसर प्रथम पूज्य गजानन की वंदना दिखाई जाती रही है। गणेश जी के गीत अकसर फिल्म के मुख्य नायक के बड़े संकल्प, समाज के



‘दरद का रिश्ता’ का गीत ‘गणपति बप्पा मोरया’

एकत्रीकरण या फिर किसी विशाल आयोजन को स्थापित करने के लिए रचे जाते रहें हैं। गणेश जी का रूप विघ्नहर्ता का है, इसलिए कई बार फिल्म की कहानी में जब कोई बड़ा संकट आता है या किसी बड़े मिशन का शुरुआत होती है तो पटकथा लेखक गणेश वंदना का सहारा लेते हैं। **शुरुआती फिल्मों में श्री गणेश:** शुरुआती ब्लैक एंड व्हाइट दौर में ‘श्री गणेश महिमा’ और ‘श्री गणेश विवाह’ जैसी धार्मिक फिल्मों से शुरू हुआ भगवान गणेश के गुणगान का सफर व्यावसायिक सिनेमा के ताने-बाने में इस तरह रचा-बसा कि गणपति केवल मंदिर के दृश्य तक सीमित न रहकर सीधे कथानक का हिस्सा बनते रहे हैं। ब्लैक एंड व्हाइट और क्लासिक दौर में गणेश वंदना का रूप पारंपरिक और शास्त्रीय रहा करता था। ‘श्री गणेश विवाह’ का प्रसिद्ध गीत ‘जय वंदन गिरिजा के नंदन’ या ‘हमसे बढ़कर कौन’ का कालजयी गीत ‘देवा हो देवा गणपति देवा, तुमसे बढ़कर कौन’ जैसे गीत दर्शकों को



सुरक्षित पृथ्वी के लिए जरूरी

ओजोन परत की सुरक्षा

अवेयरनेस

अंजु जैन

हर साल 16 सितंबर को विश्व ओजोन दिवस (वर्ष 1987 में ओजोन सुरक्षा को लेकर हुए ‘मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल’ पर सहमति की वर्षगांठ पर) मनाया जाता है। इस वर्ष ओजोन दिवस की थीम ‘ठंडे ग्रह के लिए ग्लोबल एक्शन’ डिसाइड की गई है। यह थीम दर्शाती है कि ओजोन परत न केवल यूवी (पराबैंगनी) किरणों से हमारी रक्षा करती है, बल्कि यह ग्लोबल वार्मिंग को कम करके हमारे ग्रह को ठंडा रखने में भी बड़ी भूमिका निभाती है।

ओजोन परत का महत्व: ओजोन परत, वातावरण के समताप मंडल में स्थित गैस की एक परत है, जो सूर्य की हानिकारक यूवी विकिरण को अवशोषित करती है। यदि यह परत पतली हो जाए, तो पृथ्वी की सतह पर पराबैंगनी किरणें सीधे पहुंचेंगी,

जिससे न केवल जीवन पर संकट मंडराएगा बल्कि पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ने से कई समस्याएं भी पैदा होंगी। 2026 की थीम का ‘कूलर प्लेनेट’ यानी ठंडे ग्रह पर ध्यान केंद्रित करना यह याद दिलाता है कि ओजोन की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करना एक-दूसरे से संबंधित हैं। **ओजोन परत का महत्व:** बढ़ते शहरीकरण और लगातार उच्च होते तापमान के कारण, रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर जैसी कूलिंग तकनीकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। भोजन को सड़ने से बचाने, जीवन रक्षक दवाओं और टीकों को सुरक्षित रखने (कोल्ड चेन बनाए रखने) और गर्म मौसम में इंसानी कार्यक्षमता को बनाए

हमारी धरती के वायुमंडल में मौजूद ओजोन परत, धरती के लिए सुरक्षा कवच की तरह है। सूर्य की यूवी किरणों से बचाव के साथ ही यह ग्लोबल वार्मिंग को रोकने में भी मददगार है। सो इसकी सुरक्षा के लिए सभी का अवेयर रहना जरूरी है।

रखने के लिए कूलिंग अनिवार्य है। लेकिन विरोधाभास यह है कि कूलिंग सिस्टम भारी मात्रा में बिजली की खपत करती हैं और उनमें इस्तेमाल होने वाली गैसें पर्यावरण को गर्म करती हैं। इसलिए 2026 की थीम ‘कूलिंग’ पर जोर देती है, जिसका अर्थ है ऐसी कूलिंग तकनीकें विकसित करना जो कम एनर्जी खपत करें और ग्लोबल वार्मिंग को न बढ़ाएं।

ग्रीन रेफ्रिजेंट्स का उपयोग: ‘एक ठंडे ग्रह के लिए वैश्विक कार्रवाई’ का लक्ष्य बिना तकनीकी इनोवेशन के हासिल नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने अमोनिया, कार्बन डाईऑक्साइड और हाइड्रोकार्बंस (जैसे प्रोपेन और आइसोब्यूटेन) जैसे नेचुरल रेफ्रिजेंट्स के उपयोग के तरीके बताए हैं, जो पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। इसके अतिरिक्त हाइड्रोफ्लूरोओलेफिन जैसी नई पीढ़ी की सिंथेटिक गैसों का आविष्कार हुआ है, जिनका

वायुमंडलीय जीवनकाल बहुत कम होता है। इन इनोवेशंस ने एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन उद्योगों को इकोफ्रेंडली समाधानों की ओर मोड़ने में मदद की है। **भारत की महत्वपूर्ण भूमिका:** भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है, जिसने 2019 में एक व्यापक ‘इंडिया कूलिंग एक्शन प्लान’ लॉन्च किया था। यह प्लान 2026 की थीम के लक्ष्यों के साथ पूरी तरह मैच करता है। इस एक्शन प्लान का उद्देश्य अगले 20 वर्षों में सभी क्षेत्रों में कूलिंग की मांग को 20 से 25 प्रतिशत तक कम करना, रेफ्रिजरेटर और एसी के लिए ऊर्जा आवश्यकताओं को घटाना और कूलिंग केमिकल्स के स्वदेशी और टिकाऊ ऑप्शंस को बढ़ावा देना है। *

हम सभी निभाएं अपनी जिम्मेदारी

एक ठंडे ग्रह के निर्माण की जिम्मेदारी सिर्फ सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं या बहुराष्ट्रीय कंपनियों की नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। एक जागरूक नागरिक के रूप में हम निम्नलिखित कदम उठा सकते हैं-
► एसी या रेफ्रिजरेटर खरीदते समय हमेशा उच्च ऊर्जा दक्षता रेटिंग (स्टार लेबलिंग) और ओजोन-सुटेबल तकनीक वाले उपकरण ही चुनें।
► अपने कूलिंग उपकरणों की नियमित सर्विसिंग कराएं ताकि रेफ्रिजरेटर गैसों की लीकज (रिसाव) को रोका जा सके।
► अपने वाहनकूलित (एसी) उपकरणों को अत्यधिक कम तापमान (जैसे 18 डिग्री सेंटीग्रेड) के बजाय एक आरामदायक और ऊर्जा-बचत वाले तापमान (जैसे 24 डिग्री से 26 डिग्री सेंटीग्रेड) पर चलाएं।
► पुराने और खराब हो चुके कूलिंग उपकरणों जैसे-फ्रिज और एयर कंडीशनर का डिस्पोजल, केवल प्रमाणित ई-वेस्ट्स रीसाइकलर्स के माध्यम से ही करें।

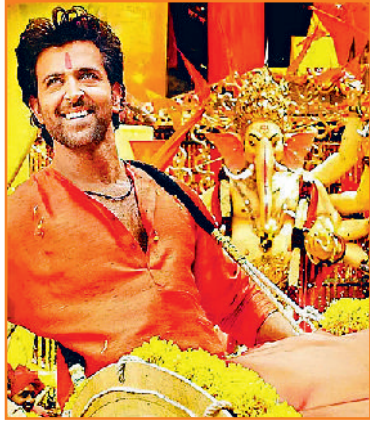
सिनेमा के पर्दे पर श्री गणेश सिर्फ आस्था के प्रतीक बनकर नहीं आए, बल्कि एंड व्हाइट दौर की धार्मिक फिल्मों से लेकर आज के आधुनिक दौर तक हिंदी फिल्मों के कथानक और गीतों में भगवान श्री गणेश को प्रस्तुत किया जाता रहा है। कहानी को आगे बढ़ाने, उसके टर्निंग प्वाइंट्स को गति देने में भी गणपति पूजन-वंदन को महत्व दिया जाता रहा है। ऐसी ही कुछ फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मों में खूब हुआ है

गणपति का गुणगान



‘हमसे बढ़कर कौन’ का गीत ‘देवा हो देवा’



‘अग्निपथ’ का गीत ‘देवा श्री गणेश’

भक्ति में सराबोर हो झूमने पर मजबूर कर देते हैं। फिल्म ‘दरद का रिश्ता’ में ‘गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ’ ने मानवीय संवेदनाओं और बीमारी से जूझती एक बच्ची के पिता के भावनात्मक मनोदशा को गणेश उत्सव से जोड़कर फिल्माया गया।

कथानक को नया मोड़ देते गणपति गीत: जैसे-जैसे सिनेमा बदला, गणेशजी पर आधारित गीतों का शिल्प भी बदला। 90 के दशक में फिल्म ‘वास्तव’ का गीत ‘सिंदूर लाल चढ़ायो अच्छा गजमुख को’ एक ओर तो गंभीर पूजा की अनुभूति कराता है, वहीं दूसरी ओर कहानी में

नायक के जीवन में आने वाले बड़े तूफान का संकेत भी देता है। इसके बाद आधुनिक दौर की ‘अग्निपथ’ (2012) का ‘देवा श्री गणेश’ गीत न केवल गीत-संगीत की दृष्टि से भव्य है, बल्कि यह नायक के प्रतिशोध

और धर्म युद्ध की शुरुआत का प्रतीक भी बनता है। इसी तरह ‘डॉन’ (2006) फिल्म में ‘मोरया रे बप्पा मोरया रे’, ‘एबीसीडी 2’ के ‘हे गणराया’ गीत, कथानक में नया मोड़ लेकर आते हैं।

बढ़ता है सिने-दृश्यों का प्रभाव: ब्लैक एंड व्हाइट दौर के सादे और भक्तिभाव से पूर्ण भजनों से लेकर आज के रॉक और प्यूजन धुनों पर थिरकते गणेश वंदना के गानों तक, सिनेमा ने यह सिद्ध किया है कि विघ्नहर्ता भगवान गणेश भारतीय दर्शकों के दिल के सबसे करीब हैं। गणेश जी के गीतों की लय में जो सामूहिकता

ढोल-ताशों की गुंज और उत्साह होता है, वह सिनेमाई पदों पर बहुत ही भव्य और प्रभावशाली दिखता है। इसी कारण भारतीय फिल्मों के कथानक में भगवान गणेश की पूजा से जुड़े दृश्य और गीत शोष पर रहे हैं। *

मराठी संस्कृति का प्रभाव

फिल्मों में गणेश जी के गानों की बहुलता और उनकी स्वीकार्यता का मुख्य कारण उनका विघ्नहर्ता रूप और मराठी संस्कृति में गणेशोत्सव का बृहद प्रभाव है। मुंबई, जो हिंदी सिनेमा की मुख्य भूमि है, वहां गणेशोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान न होकर एक सामाजिक उत्सव के रूप में मनाया जाता रहा है। इसीलिए फिल्मकारों ने जनमानस से जुड़ी इस स्थानीय ऊर्जा को पर्दे पर उतारने के लिए गणेश जी पर केंद्रित गीतों को कहानी के महत्वपूर्ण मोड़ (क्लाइमेक्स या टर्निंग प्वाइंट) पर बखूबी इस्तेमाल किया है।